RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल
साझा करें अपने मित्रों से
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग
वर्ष- 13, अंक - 145 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, शनिवार 12 मार्च 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

'राहुल गांधी पर भरोसा नहीं!': पांच राज्यों के चुनाव नतीजे के बाद कांग्रेस की बैठक

अस्तित्व को लेकर शीर्ष नेतृत्व चिंतित

नई दिल्ली (एजेंसी)। पांच राज्यों के चुनाव नतीजे आने के बाद जहां भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी अपनी सफलता को लेकर जश्न मना रही हैं, वहीं कांग्रेस से लेकर समाजवादी पार्टी फिलहाल मंथन में जुटी हैं। खासकर कांग्रेस में तो लगातार खराब प्रदर्शन को लेकर शीर्ष नेतृत्व पर ही सवाल उठने शुरू हो गए हैं। अब पांचों राज्यों के नतीजे आने के बाद आत्ममंथन के लिए जो बैठक हुई, उसमें कुछ बड़े नेताओं ने सीधे तौर पर राहुल गांधी को आड़े हाथों ले लिया। इन नेताओं का कहना था कि उन्हें राहुल के नेतृत्व पर बिल्कुल भरोसा नहीं है।

रिपोर्ट्स की मानें तो जिस बैठक में ये बात कही गई, उसमें कांग्रेस के कई पदाधिकारी और बड़े नेता शामिल रहे। इनमें एक नाम राज्यसभा में कांग्रेस के उपनेता आनंद शर्मा का रहा। इसके लिए सांसद कपिल सिब्बल, मनीष तिवारी और अखिलेश प्रसाद सिंह भी बैठक में शामिल रहे। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा और कुछ अन्य नेता इस मीटिंग से वर्चुअल तौर पर जुड़े थे।

बताया गया है कि बैठक के दौरान इन नेताओं ने कांग्रेस पर अस्तित्व के संकट का खतरा भी बताया और साफ किया कि अगर अभी कदम नहीं उठाए गए तो आगे पार्टी को और मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। इन नेताओं ने पंजाब में कांग्रेस के विकल्प के तौर पर आम आदमी पार्टी के उभार पर भी चिंता व्यक्त की और कहा कि इस तरह के बदलाव पार्टी को उन सभी राज्यों में हाशिए पर धकेल देंगे, जहां क्षेत्रीय दल आगे आ रहे हैं।

कद्दावर नेताओं को नजरअंदाज किया गया

जी-23 ग्रुप से जुड़े एक वरिष्ठ नेता कहते हैं कि पंजाब में कांग्रेस के कई कद्दावर नेताओं को दरकिनार कर जिस तरीके से टिकट वितरण किया गया और पंजाब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू का पूर्व मुख्यमंत्री रहे कैप्टन अमरिंदर सिंह के बीच तू-तू मैं-मैं हुई, उससे पार्टी के कार्यकर्ताओं का न सिर्फमनोबल टूटा बल्कि उनको दूसरे बेहतर विकल्प भी मिले। वो कहते हैं कि चुनाव के दौरान पंजाब से पार्टी के बड़े नेताओं का अलग हो जाना भी पार्टी नेतृत्व की कमजोरी रही।

नतीजों का पहले से अंदाजा था

कांग्रेस के जी-23 ग्रुप से जुड़े हुए एक और वरिष्ठ नेता का कहना है कि उनको तो पंजाब समेत अन्य राज्यों के परिणामों का पहले से ही अंदाजा था। उक्त नेता का कहना है कि जब तक पार्टी में चापलूस और नेतृत्व की आंखों में धूल झोंकने वाले लोगों को राइट टाइम नहीं किया जाता है तब तक पार्टी ऐसे ही बिखराव की ओर बढ़ती रहेगी। कांग्रेस से जुड़े सूत्रों का कहना है कि जी-23 से जुड़े नेताओं से हुई बातचीत के अनुसार यह था कि पंजाब में कांग्रेस सत्ता से बाहर हो रही है और उत्तर प्रदेश में प्रियंका गांधी की मेहनत बेकार जा रही है।

सीबीएसई 10वीं टर्म-1 का परिणाम जारी, बोर्ड ने स्कूलों को ई-मेल से भेजा रिजल्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने देर रात कक्षा 10वीं के टर्म-1 की परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। स्कूल प्रशासन अपनी आधिकारिक शिक्षा मेल आईडी के माध्यम से परिणाम को चेक कर सकते हैं। छात्र अपने-अपने संबंधित स्कूल प्रशासन से जाकर अपना स्कोरकार्ड ले सकते हैं।

सीबीएसई ट्वीट कर दी जानकारी

सीबीएसई ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर परिणाम को लेकर जानकारी दी है। बोर्ड ने बताया है कि दसवीं कक्षा के टर्म-1 परीक्षा के परिणाम को स्कूलों को भेज दिया गया है। बोर्ड ने बताया कि केवल थ्योरी परीक्षा के अंकों को स्कूलों को भेज गया है। आंतरिक और प्रायोगिक परीक्षा के परिणाम पहले से ही स्कूलों के पास में उपलब्ध है।

आधिकारिक वेबसाइट पर नहीं जारी हुए परिणाम

सीबीएसई ने इस बार परिणाम को आधिकारिक वेबसाइट पर जारी नहीं किया है। इससे पहले यही अंदाजा लगाया जा रहा था कि परिणाम बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी होंगे। स्कूल छात्रों के परिणाम को डाउनलोड कर के इस छात्रों को दे सकते हैं। सभी छात्र अपने संबंधित स्कूलों से संपर्क करें।

12वीं के परिणाम भी जल्द जारी होंगे

सीबीएसई की ओर से अब बारहवीं कक्षा के परिणाम भी जल्द ही जारी किए जा सकते हैं। दरअसल, बीते कई दिनों से बड़ी संख्या में छात्र सोशल मीडिया पर परिणाम को जारी करने की मांग कर रहे थे।

खास-खबर

पंजाब में 'आप' की सरकार: राज्यपाल से मिलने पहुंचे भगवंत मान, सरकार बनाने का दावा किया पेश

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत के बाद भगवंत मान शनिवार को गवर्नर बीएल पुरोहित से मिलने पहुंचे और सरकार बनाने का दावा पेश किया। मान ने कहा कि मैं राज्यपाल से मिला और हमारे विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा और सरकार बनाने का दावा पेश किया। उन्होंने मुझसे कहा कि हम जहां भी शपथ ग्रहण समारोह करना चाहते हैं, उन्हें बता दें। शपथ ग्रहण समारोह 16 मार्च को दोपहर 12.30 बजे पैतृक गांव भगत सिंह खटकड़ कलां में होगा। इससे पहले शुक्रवार को मान ने दिल्ली में आप संयोजक अरविंद केजरीवाल से उनके आवास पर मुलाकात की। उन्होंने 16 मार्च को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में आने के लिए केजरीवाल को न्योता दिया। भगवंत मान ने अरविंद केजरीवाल, दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया एवं पार्टी के पंजाब मामलों के सह प्रभारी राघव चड्ढा के साथ बैठक की और आगे की रणनीति पर चर्चा की।

जेनरेटर में छिपाया था 1 करोड़ 30 लाख का गांजा, पुलिस के हत्थे चढ़ा हरियाणा का तस्कर

कोंडागांव। छत्तीसगढ़ के रास्ते दूसरे राज्यों में गांजा तस्करी का लगातार मामला फूट रहा है। प्रदेश के जगदलपुर-रायपुर नेशनल हाईवे नंबर-30 में कोंडागांव जिले की पुलिस ने हरियाणा के एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 650 किलो गांजा बरामद किया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत 1 करोड़ 30 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस को चकमा देने आरोपी जेनरेटर के अंदर गांजा को छिपाकर तस्करी कर रहा था। कोंडागांव एसपी दिव्यांग पटेल ने बताया कि नशे के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। कोंडागांव चेक पोस्ट पर जांच के दौरान पुलिस ने 650 किलो गांजा जब्त किया है। अंतर्राज्यीय तस्कर मेटाडोर के डाले में रखे जेनरेटर के अंदर 290 पैकेट में गांजे को छिपाकर तस्करी कर रहा था, लेकिन उसकी चालाकी काम नहीं आई। तस्कर से जब्त गांजे की अनुमानित कीमत 1 करोड़ 30 लाख रुपये आंकी गई है। कोतवाली पुलिस थाने में अपराध दर्ज किया गया है। आरोपी से अभी पूछताछ की जा रही है। कुछ और तस्करों के नाम सामने आ सकते हैं।

होली के बाद दूसरी बार सीएम पद की शपथ लेंगे योगी आदित्यनाथ, कल दिल्ली में पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शानदार जीत के बाद यूपी के कार्यकारी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को दिल्ली जाएंगे। सूत्रों के अनुसार, योगी आदित्यनाथ वहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करेंगे। इस बीच जानकारी मिली है कि नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होली के बाद तक टल सकता है। इसके होली के बाद आयोजित होने की संभावना है। इससे पहले 10 मार्च हुई मतगणना में भाजपा गठबंधन ने 273 सीटें जीतकर शानदार जीत दर्ज की थी। इसके बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को इस्तीफा दे दिया था। मत परिणाम जारी होने के बाद योगी आदित्यनाथ की पीएम मोदी से यह पहली मुलाकात होगी।

यूक्रेन में 'जैविक' हथियार के लिए पैसे भेज रहा अमेरिका

मॉस्को (एजेंसी)। युद्ध संकट के बीच रूस ने दावा किया है कि अमेरिका यूक्रेन को जैविक हथियार के लिए वित्त पोषित कर रहा है। रूस ने कहा कि यूक्रेन में अपने सैन्य ऑपरेशन के दौरान वहां जैविक हथियार बनाने के मजबूत सबूत मिले हैं और इसके पीछे अमेरिका का हाथ है। वहीं इस दावे को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने शुक्रवार को एक बैठक भी बुलाई। इस बैठक में अमेरिका ने भी पलटवार किया। अमेरिका ने कहा कि रूस दुनिया के सामने झूठी अफवाह फैला रहा है। राष्ट्रपति पुतिन ही इस तरह के अवैध काम को अंजाम देते आए हैं।

किसान आंदोलन : मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किसान की मौत पर जताया दु:ख, चार लाख मुआवजे का ऐलान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नया रायपुर प्रभावित किसान कल्याण समित द्वारा शुक्रवार को मंत्रालय घेराव के लिए जाते समय एक किसान की मौत हो गई। इस दौरान एक किसान की मौत हो गई। किसान की मौत ने पूरे आंदोलन की दिशा ही बदल कर रख दी है। किसान संगठन इसके लिए सरकार को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। इस बीच मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मृकत किसान के परिजनों को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता की घोषणा की है।

नवा रायपुर में चल रहे किसानों के आंदोलन के बीच एक किसान की मौत हो गई। एनआरडीए दफ्तर के पास चल रहे किसानों की इस आंदोलन ने शुक्रवार को पैदल मार्च निकाला गया था। सभी किसानों को बैरिकेडिंग लगाकर पुलिस ने रोक लिया। सड़क पर ही धरना देने के दौरान किसान सियाराम पटेल (66) बेहोश होकर गिर पड़े। बाद में पता चला उनकी मौत हो गई।

किसान सियाराम की मौत पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गहरा दु:ख प्रकट किया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नवा रायपुर राजधानी क्षेत्र के 66 वर्षीय किसान सियाराम पटेल के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री बघेल ने उनके परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं और 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा की है।

बुजुर्ग किसान सियाराम पटेल नवा रायपुर इलाके के बरोदा गांव के किसान थे। इनकी जमीन भी नया रायपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी ने ली थी। अपनी जमीन पर मुआवजे रोजगार और अन्य सुविधाओं की मांग को लेकर पिछले 60 दिनों से सियाराम भी इस धरना प्रदर्शन का हिस्सा रहे। प्रदर्शन के दौरान अचानक गिरने के बाद सभी लोग सियाराम को पास ही स्थित बालको अस्पताल लेकर गए। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

छत्तीसगढ़ में माओवादी संगठन को लगा बड़ा झटका, सुकमा में 10 ने किया सरेंडर, बीजापुर में 13 गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बस्तर। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में शुक्रवार को माओवादी संगठन को बड़ा झटका लगा है। सुकमा जिले में 10 नक्सलियों ने हथियार डाले हैं तो वहीं बीजापुर जिले में अलग-अलग स्थानों से 13 माओवादियों को गिरफ्तार किया गया है। लोन वर्राटू अभियान के तहत दंतेवाड़ा जिले में भी एक माओवादी ने सरेंडर किया है। फोर्स के चौतरफा दबाव से नक्सली बैकफुट पर हैं।

बस्तर में माओवाद के खिलाफ पुलिस द्वारा अलग-अलग रणनीति से कार्य किया जा रहा है, जिससे संगठन को कमजोर किया जा सके। अब इन रणनीतियों का असर भी दिखने लगा है। यही वजह है कि आज संगठन को एक बार फिर बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। दरअसल, माओवादियों के वर्ष कैलेंडर के अनुसार अभी उनका टीसीओसी का समय चल रहा है, जिसमें माओवादी जवानों को बड़ा नुकसान पहुचाने की फिराक में होते हैं। ऐसे में जवानों को जंगलों में लगातार गश्त करवाया जा रहा है, जिससे माओवादी किसी बड़ी घटना को अंजाम न दे पाए।

कांगेर व कटेकल्याण क्षेत्र में सक्रिय नक्सलियों का समर्पण

सुकमा जिले में पूना नर्कोम (नई सुबह की नई शुरुआत) अभियान के तहत सक्रिय 10 माओवादियों ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। सुकमा एसपी सुनील शर्मा ने बताया कि पूना नर्कोम का सकारात्मक परिणाम अब नजर आने लगा है। बस्तर के जंगलों में रहने वाले भोले-भाले आदिवासियों को माओवादियों द्वारा गुमराह कर उनका जीवन अंधकारमय कर दिया गया था। नक्सलियों की खोखली विचारधारा से त्रस्त 10 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा में लौटे हैं। सरेंडर करने वाले सभी नक्सली दरभा डिवीजन के अंतर्गत कांगेर और कटेकल्याण एरिया कमिटी में सक्रिय सदस्य थे। एक नक्सली पर शासन द्वारा एक लाख रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था।

बीजापुर में अलग-अलग इलाके से 13 नक्सली दबोचे गए

बीजापुर जिले में बासागुड़ा क्षेत्र से एरिया डोमिनेशन पर निकली सीआरपीएफ 168 बटालियन व जिला बल की संयुक्त टीम ने बुडगीचेरु नाले के पास से 4 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया, जो जवानों को देख जंगलों की ओर भाग रहे थे। इनके पास से डेटोनेटर, कोर्डेक्स वायर और पाइप बम बरामद किया गया। पूछताछ में चारों ने इसे जवानों के रास्ते में प्लांट करने की जानकारी दी है। वहीं आवापल्ली के उसूर थानाक्षेत्र के टेकामेटा से 5 और आवापल्ली के रायगुडा थानाक्षेत्र से 4 माओवादियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए सभी 13 माओवादियों के खिलाफबीजापुर और सीमावर्ती अलग-अलग थानों में कई जघन्य अपराध के मामले दर्ज किये गए हैं। गिरफ्तार किये गए सभी माओवादियों को जेल भेज दिया गया है।

संपादकीय

बुनियादी जरूरतें

भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश में न केवल अपने बुनियादी आधार को मजबूत किया है, वह जनता की नजर में सबसे प्रासंगिक पार्टी भी साबित हुई है। लोग उसे सत्ता में रखते हुए काम लेते रहना चाहते हैं। पार्टी ही नहीं, विश्लेषकों को भी लग रहा था कि युवाओं या बेरोजगार मतदाताओं का मोहभंग हुआ है, लेकिन यह मोहभंग इतना भी नहीं था कि सत्ता परिवर्तन हो जाए। इसका मतलब, रोजगार के मोर्चे पर उत्तर प्रदेश की सरकार ने जो प्रयास किए हैं, उसके मद्देनजर युवाओं को आगे के लिए उम्मीदें हैं। साल 2021 के अंत तक रोजगार करने वालों की आबादी 32.79 प्रतिशत हो गई। इसमें एक बड़ा कारण महामारी और लॉकडाउन है। निश्चित रूप से रोजगार के मोर्चे पर राज्य सरकार ने अपनी ओर से प्रयास किए हैं, इसलिए लोगों का उस पर विश्वास कायम रहा है। पर जीत की खुशी में यह भ्रम किसी को नहीं होना चाहिए कि अब बेरोजगारी मुद्दा नहीं है। ऐसे युवाओं की विशाल आबादी है, जो मुश्किल समय में मिले रोजगार का महत्व जानती है।

> इसके लिए सबसे बढ़कर है जन-भागीदारी। लोग अपनी आवाज खुलकर बुलंद कर रहे हैं। यह मुखरता स्थानीय स्तर पर बुनियादी सुविधाएं मांगने में भी इस्तेमाल होनी चाहिए। तमिलनाडु के लोग आगे बढ़कर सरकारी स्कूलों के लिए शिक्षक मांगते हैं, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर डॉक्टरों की नियमित मौजूदगी मांगते हैं, ध्यान रहे, यह काम दिल्ली की स्थानीय सरकार अपने स्तर पर ही करने की कोशिश कर रही है। बेशक, लोग जाति-धर्म से ऊपर उठकर सजग होंगे, तो सरकारें भी तेजी से काम कर सकेंगी।

ठीक इसी तरह का मुद्दा है कृषि विकास और सुधार। किसान आंदोलन का असर नहीं के बराबर रहा है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि सरकार किसानों से किए गए वादों को भुलाकर भविष्य में कोई नुकसान झेले। कृषि क्षेत्र अभी भी हमारी अर्थव्यवस्था का एक बेहद महत्वपूर्ण आधार है। किसानों को उपज की उचित कीमत देने और आवारा पशुओं की समस्या सरकार के संज्ञान में रहनी चाहिए। सरकार के सामने तीसरी चुनौती शिक्षा के मोर्चे पर है, उत्तर प्रदेश में अच्छे शिक्षण संस्थानों की जरूरत है, ताकि किसी भी छात्र को प्रदेश के बाहर पढ़ने न जाना पड़े। आबादी को कुशल बनाने की जरूरत है, ताकि उसे रोजगार या उद्यम में सुविधा हो। बीस प्रतिशत से ज्यादा आबादी अभी भी निरक्षर है, तो आजादी के अमृत वर्ष में उत्तर प्रदेश को भी जल्द से जल्द पूर्ण साक्षर बनाने का संकल्प लेना चाहिए। बजट बढ़ाकर प्राथमिक स्तर से उच्च शिक्षा तक शैक्षणिक ढांचे को ऐसा चाक-चौबंद करना चाहिए कि प्रदेश विकसित राज्यों की श्रेणी में आ खड़ा हो। अच्छी चिकित्सा-व्यवस्था भी सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। महामारी के समय युद्ध स्तर पर अचानक कुछ सुधार हुए हैं, मगर उत्तर प्रदेश समग्रता में चिकित्सा सेवा में पीछे है। नीति आयोग के अनुसार, चिकित्सा सेवा के मामले में बड़े राज्यों के बीच उत्तर प्रदेश निचले पायदानों पर है। प्रदेश को देश के श्रेष्ठ 10 चिकित्सा सुविधा वाले प्रदेशों में लाना प्राथमिकता होनी चाहिए।

प्रदेश सरकार की चौथी प्राथमिकता औद्योगिक विकास होना चाहिए। तमिलनाडु अपेक्षाकृत छोटा राज्य है, लेकिन वहां से लगभग एक तिहाई उद्योग ही उत्तर प्रदेश में लगे हैं। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा बाजार भले हो, लेकिन उद्योग लगाने या चलाने के मामले में तमिलनाडु बहुत आगे है। उत्तर प्रदेश में छोटे-बड़े हर प्रकार के उद्यम या निवेश की जरूरत है। इसके लिए सबसे बढ़कर है जन-भागीदारी। लोग अपनी आवाज खुलकर बुलंद कर रहे हैं। यह मुखरता स्थानीय स्तर पर बुनियादी सुविधाएं मांगने में भी इस्तेमाल होनी चाहिए। तमिलनाडु के लोग आगे बढ़कर सरकारी स्कूलों के लिए शिक्षक मांगते हैं, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर डॉक्टरों की नियमित मौजूदगी मांगते हैं, ध्यान रहे, यह काम दिल्ली की स्थानीय सरकार अपने स्तर पर ही करने की कोशिश कर रही है। बेशक, लोग जाति-धर्म से ऊपर उठकर सजग होंगे, तो सरकारें भी तेजी से काम कर सकेंगी।

> एक महत्वपूर्ण वोट बैंक के रूप में महिला मतदाताओं की उपस्थिति ने भारत की चुनावी राजनीति की दिशा मोड़ दी है। बेशक भारतीय राजनीति को परखने के लिए मंडल-कमंडल का विश्लेषण किया जाता है, लेकिन अब महिला मतदाताओं के लिए ये मुद्दे शायद ही मायने रखते हैं। नेताओं की भावनात्मक अपील उनको कहीं ज्यादा राजनीतिक पार्टियों से जोड़ती है। लिहाजा, अब समय आ गया है कि हम इन पर संजीदगी से ध्यान दें।

बिहार, बंगाल के बाद यूपी में भी कैसे महिलाओं ने किया खेल, समझिए

यामिनी अय्यर, प्रेसिडेंट, सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च

हमें मोदी पसंद हैं- ये शब्द थे रावत समुदाय की उस महिला के, जो मोहनलालगंज में अपने पति के साथ बैठकर सरकारी योजनाओं से मिलने वाले फायदे हमें गिना रही थी। उसे सरकारी इमदाद के रूप में राशन और गैस मिल रहे थे, साथ ही, नए बने 'ई-श्रम कार्ड' से 1,000 रुपये बहुत जल्द मिलने का वादा किया गया था। दूसरी ओर, उसके पति की राय भी बिल्कुल स्पष्ट थी। बेरोजगारी और बढ़ती महंगाई की वजह से उसका वोट समाजवादी पार्टी को जाने वाला था। एग्जिट पोल पर यदि विश्वास करें, तो पति-पत्नी की सोच में यह अंतर कोई अपवाद नहीं था।

पूर्वी उत्तर प्रदेश के तमाम हिस्सों में हिंदू महिला मतदाताओं के साथ बातचीत में हमने कुछ ऐसा ही महसूस किया। न सिर्फ घर के महिला व पुरुष सदस्यों की प्राथमिकताओं में हमें अंतर दिखा, बल्कि मोदी के साथ भावनात्मक जुड़ाव व कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलने संबंधी वादे पर उनको भरोसा करते हुए भी हमने देखा। यह विश्वास दिल से किए गए वर्षों की मेहनत से कमाए गए हैं। दरअसल, महिला मतदाताओं के बीच विश्वास जमाने और उनसे संपर्क बनाने की एक कोशिश 2017 की उज्ज्वला योजना थी, जिसके तहत उनमें गैस सिलेंडर मुफ्त में बांटे गए थे। 2022 में यह काम मुफ्त राशन ने किया। कई महिला वोटरों ने बताया कि उन्हें अक्सर पार्टी कार्यकर्ताओं के फोन आते हैं, जो राशन ले आने की बात याद दिलाते हैं।

हालांकि, यह ताकीद महज राशन की नहीं होती थी। मोहनलालगंज में ही एक युवा गृहिणी ने (जिसने इस बार बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के बजाय संभवत: भाजपा को वोट दिया होगा) बताया, 'उनके फोटो हर जगह दिखते हैं'। यानी, लगातार स्मरण करने की इस कवायद ने लाभकारी योजनाओं को लेकर ऐसा माहौल बनाया, जिसमें प्रधानमंत्री की कल्याणकारी छवि और भाजपा के पार्टी काडर की ताकत, दोनों का संगम सुगमता से हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आम लोगों का भरण-पोषण करने वाले नेता के रूप में उभरे। यह महिलाओं की राजनीतिक लामबंदी का एक प्रभावी औजार साबित हुआ।

महिलाओं की ऐसी राय निश्चय ही हमें उन कारकों को समझने में मदद करती है, जिसने उत्तर प्रदेश में भाजपा की जीत सुनिश्चित की। मगर प्रधानमंत्री को लेकर बने नैरेटिव और कई महिला मतदाताओं द्वारा जाहिर की गई यह आत्मीयता भारतीय चुनाव में आए एक महत्वपूर्ण बदलाव के भी संकेत हैं, जिस पर गंभीर चर्चा किए जाने की दरकार है।

एक अहम वोट बैंक के रूप में महिला मतदाताओं का उभरना जाति पर आधारित पहचान के ढांचे को चोट पहुंचाता है। यह वही पहचान है, जिससे राजनीति की हमारी समझ प्रभावित होती रही है, विशेष रूप से उत्तर भारत में। पूर्वी उत्तर प्रदेश का नैरेटिव मुद्दे के बजाय व्यक्ति (मोदी) के ईद-गिर्द निर्मित एक नई राजनीति के उदय की ओर इशारा करता है, जिसमें नेतृत्व को उभारने के लिए पार्टी द्वारा असीमित संसाधनों का इस्तेमाल किया जाता है। राजनीतिक विज्ञानी नीलांजन सरकार इसे 'विश्वास की राजनीति' कहते हैं।

महिला मतदाता विश्वास की इसी राजनीति की नींव बनकर उभर रही हैं। खासतौर से उनके लिए चलाई जाने वाली योजनाओं में उनको लाभार्थी बनाना इसमें मददगार साबित हो रहा है। हमारी बातचीत में जन-धन खाता खोलने वाली ज्यादातर महिला मतदाताओं ने उन दिनों को याद किया, जब कोविड-19 के कारण पहली बार लगाए गए लॉकडाउन के दौरान उनके बैंक खाते में पैसे आए थे। इसी तरह, उज्ज्वला भी एक लोकप्रिय योजना है और महिला मतदाताओं को मोदी से जोड़ती है, फिर चाहे कई लाभार्थियों के पास गैस सिलेंडर को फिर से भरने का साधन बेशक न हो। यही वह शुरुआती रणनीति है, जिसने प्रत्यक्ष तौर पर महिला मतदाताओं को भाजपा के पक्ष में संगठित किया।

भले ही महिलाओं ने बार-बार यह बताया कि राशन से मिलने वाले फायदे बेरोजगारी या महंगाई की भरपाई नहीं कर सकते, फिर भी यह भाजपा को वोट देने की एक बड़ी वजह जान पड़ती है। हालांकि, व्यक्तिगत राजनीति और कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से महिला मतदाताओं को लुभाने की यह रणनीति सिर्फ भाजपा की नहीं है। लोकनीति के मुताबिक, पिछले साल के पश्चिम बंगाल चुनाव में भाजपा पर तृणमूल कांग्रेस की जीत में ममता बनर्जी को पसंद करने वाले पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला वोटरों की संख्या बहुत अधिक थी। बिहार में भी नीतीश कुमार कुछ इसी तरह की रणनीति से सफल रहे हैं।

महिलाओं व पुरुषों के बीच की ये स्पष्ट राजनीतिक प्राथमिकताएं हमारे चुनावी परिदृश्य में नए कारक के रूप में उभर रही हैं। भाजपा ने इनको प्रभावी ढंग से लामबंद किया है। यह जाति की राजनीति से बिल्कुल अलग है। साफहै, मौजूदा ढांचे में महिलाएं व्यक्तिगत राजनीति से जुड़कर एक लाभार्थी के रूप में मत डाल रही हैं। लोकतंत्र पर इसके दीर्घकालिक प्रभाव की गहन पड़ताल आवश्यक है।

और अंत में चर्चा कांग्रेस की। महिला मतदाताओं के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए ही संभवत: कांग्रेस आलाकमान ने 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' अभियान की कल्पना की होगी। मगर कांग्रेस उस बुनियाद को समझने और पहचानने में विफल रही, जो महिला मतदाताओं को भाजपा, और विशेष तौर पर नरेंद्र मोदी से जोड़ती है। यदि वह महिला मतदाताओं को कहीं अधिक गंभीरता से लेना चाहती है, तो उसे महिला मतदाताओं और उनकी प्राथमिकताओं को गहराई से समझने की कुव्वत खुद में पैदा करनी होगी। एक महत्वपूर्ण वोट बैंक के रूप में महिला मतदाताओं की उपस्थिति ने भारत की चुनावी राजनीति की दिशा मोड़ दी है। बेशक भारतीय राजनीति को परखने के लिए मंडल-कमंडल का विश्लेषण किया जाता है, लेकिन अब महिला मतदाताओं के लिए ये मुद्दे शायद ही मायने रखते हैं। नेताओं की भावनात्मक अपील उनको कहीं ज्यादा राजनीतिक पार्टियों से जोड़ती है। लिहाजा, अब समय आ गया है कि हम इन पर संजीदगी से ध्यान दें।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

राष्ट्रपति चुनाव में भी भाजपा की राह आसान हुई

मदन जैड़ा

भाजपा ने चार राज्यों में शानदार जीत दर्ज कराई है। इस जीत का फायदा जहां उसे भावी चुनावों में मिलेगा, वहीं तत्काल इसका फायदा जुलाई में होने वाले राष्ट्रपति चुनावों में भी मिलने जा रहा है। अब एनडीए सरलता से अपनी पसंद के उम्मीदवार को राष्ट्रपति बना सकेगा, जबकि यूपीए इस लड़ाई में भी कमजोर नजर आ रहा है। कुछ दल ऐसे भी हैं, जो न एनडीए के साथ हैं और न यूपीए में। लेकिन ये दल पिछले कई मौकों पर एनडीए के ही संकटमोचक बनकर उभरे हैं। इसलिए राष्ट्रपति चुनाव में मतों की जो थोड़ी कमी रह भी जाएगी, तो इन दलों की मदद से उसे दूर करने के प्रति एनडीए आश्वस्त है।

देखा जाए, तो राष्ट्रपति चुनाव के मामले में एनडीए की स्थिति आज वर्ष 2017 की तुलना में कहीं बेहतर है। हालांकि, एनडीए के समीकरणों में इस बीच काफी बदलाव भी हुए हैं। शिवसेना, अकाली दल जैसे पुराने सहयोगी दूर हो गए हैं। कई राज्यों जैसे मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में विधानसभा की सीटें घटी हैं। लेकिन 2017 की तुलना में उसने लोकसभा एवं राज्यसभा में सीटों में बढ़त हासिल की है। एनडीए के पास आज लोकसभा में 336 और राज्यसभा में 118 सीटों की ताकत है, जो पिछले राष्ट्रपति चुनाव की तुलना में करीब 15 फीसदी ज्यादा है। राष्ट्रपति चुनाव में लोकसभा, राज्यसभा सांसद तथा 28 पूर्ण विधानसभाओं तथा दिल्ली, पुडुचेरी के विधायक भी हिस्सेदारी करते हैं और सांसदों व विधायकों की वोट वेल्यू की गिनती की जाती है। लोकसभा एवं राज्यसभा के सांसदों की वोट वेल्यू एक समान 708 है, जबकि विधायकों की वोट वेल्यू राज्यों की आबादी के हिसाब से अलग-अलग है। ज्यादा आबादी वाले राज्य की वोट वैल्यू ज्यादा होती है, जिसमें उत्तर प्रदेश की सबसे ज्यादा 208 है तथा सिक्किम की सबसे कम सात है।

लोकसभा और राज्यसभा के एनडीए सांसदों की कुल वोट वैल्यू 3,21,432 बनती है। सांसदों और विधायकों की कुल वोट वैल्यू मिलाकर एनडीए की ताकत 5,17,695 मतों की हो जाती है। इस चुनाव में यदि लोकसभा के 543 तथा राज्यसभा के 233 (कुल 776) सांसद और सभी राज्यों के 4,120 विधायक हिस्सा लेते हैं, तो कुल वोट वैल्यू 10,98,903 बैठती है तथा जीत के लिए 50 फीसदी वोटों की जरूरत होती है। इसमें से 5,17,695 भाजपा के पास अभी उपलब्ध हैं। जीत के लिए उसे करीब 32 हजार वोट और चाहिए होंगे। लेकिन यह ज्यादा मुश्किल काम नहीं है। ध्यान रहे अभी कश्मीर के विधायक उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए जीतने के लिए जरूरी आंकड़ों आवश्यकता थोड़ी और कम होगी।

यहां एक बात और यह भी महत्वपूर्ण है कि राष्ट्रपति चुनाव से पूर्व राज्यसभा की लगभग 72 सीटों पर चुनाव होने हैं। उत्तर प्रदेश में जिन 11 सीटों पर चुनाव होंगे, उनमें से बसपा की दो तथा कांग्रेस की एक सीट भी अब भाजपा को मिल जाएंगी। उत्तराखंड में भी कांग्रेस की एक सीट खाली हो रही है, जो अब भाजपा के पास आ जाएगी। इसी प्रकार कर्नाटक, महाराष्ट्र तथा अन्य राज्यों में भी भाजपा दो-तीन अतिरिक्त सीटें जीत सकती है।

आंकड़े बताते हैं कि लोकसभा में एनडीए के पास 62 फीसदी, राज्यसभा में 49 फीसदी तथा विधानसभाओं में 44-45 फीसदी मत अभी उपलब्ध हैं। जबकि यूपीए के पास लोकसभा में 20, राज्यसभा में 30 और विधानसभाओं में महज 21 फीसदी मत की ही उपलब्धता है। ऐसे में, जो दल यूपीए से बाहर हैं, वे अक्सर ऐसे मौकों पर एनडीए के संकटमोचक बने हैं। इनमें बीजद, वाईएसआर, अन्नाद्रमुक तथा टीआरएस प्रमुख हैं। इन चारों दलों के लोकसभा और राज्यसभा में 70 सांसद हैं, जिनकी वोट वैल्यू 49,420 के करीब है, इसलिए केंद्र की राजनीति में एनडीए की और अधिक राह आसान हो चुकी है।

राष्ट्रपति चुनाव के बाद ही अगस्त में उपराष्ट्रपति चुनाव भी होता है, लेकिन उसमें सिर्फलोकसभा एवं राज्यसभा के सांसद वोट देते हैं। इसलिए उप-राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए के लिए कोई अड़चन नहीं है। लोकसभा में उसके पास 62 फीसदी और राज्यसभा में 49 फीसदी संख्या बल है। बहरहाल, ताजा चुनावी नतीजों ने भाजपा की संसद में ताकत बढ़ा दी है। संसद में पहले से कहीं मजबूत सत्ता पक्ष से विपक्ष का सामना होगा।

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

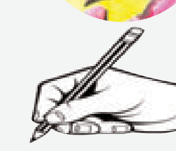

मेरी प्यास
अधूरी है
दोस्तों, जलती
सड़क पर पानी
ढूंढती हूं।

-अंजली जैन
7024460938

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

सरकार के पुरानी पेंशन योजना बहाली से जीवनशैली में होगा अभूतपूर्व परिवर्तन

पुरानी पेंशन योजना बहाली से बुढ़ापे का सफर होगा आसान

रायपुर। मानव जीवन में सफलता के लिए कड़ी मेहनत के साथ अनेक संघर्षो का सामना करना पड़ता है।सफलता का स्वाद तभी आता है,जब उनका अंतिम परिणाम सोच के अनुरूप हो। ऐसी ही कहानी है ग्राम गुमा के हायर सेकंडरी स्कूल में पदस्थ शिक्षिका श्रीमती लाली सोनी की।उन्होंने बताया कि शिक्षा समाप्त होने के बाद वर्ष 2011 में शिक्षा विभाग में शिक्षिका के पद पर पदस्थ हुई।परिवार में बुजुर्ग सास-ससुर,दो बच्चों के देखभाल की जिम्मेदारी पति और मेरे लिए आसान नही है।पति अल्प वेतन पर निजी संस्थान में कार्य करने और अकेली शासकीय सेवा में रहते आर्थिक समस्याओं का सामना करना होता हैं।ऐसे में भविष्य के लिए पैसों की बचत बहुत कम हो पाती थी। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा 9 मार्च को विधानसभा में पुरानी पेंशन योजना बहाली पर मुझे ऐसा लगा कि अब मुझे अपने संघर्षो का फल मिला। पूरे देश मे सन 2004 के बाद शासकीय सेवा में नियुक्त कर्मचारी- अधिकारी को पुरानी पेंशन योजना बंद कर नवीन अंशदायी पेंशन योजना लागू कर दिया गया था।नवीन अंशदायी पेंशन योजना शेयर बाजार आधारित है,इसमें सेवानिवृत्त के बाद बाजार की चाल के आधार पर एकमुश्त राशि दिए जाने का प्रावधान था।न्यू पेंशन स्कीम में फण्ड से 40 प्रतिशत राशि निवेश करना होता है।पुरानी पेंशन योजना एक सुरक्षित पेंशन योजना है।पुरानी पेंशन योजना के बहाल होने से सभी कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद स्थायी और ठोस आधार मिल सकेगा।शासकीय सेवा में नियुक्त अधिकारी-कर्मचारी की मांग पूरा होने के साथ-साथ सेवानिवृत्त के बाद का जीवन अब आसानी से कट सकेगा।

छत्तीसगढ़ सरकार के बजट से सभी वर्गो को लाभ दिलाने का प्रयास : भूपेश बघेल

- राज्य को मिलने वाले केन्द्रीय कर और अनुदान का हिस्सा लगातार हो रहा कम
- लाखों अधिकारियों-कर्मचारियों के भविष्य को सुरक्षित करने लागू की गई पुरानी पेंशन योजना
- मुख्यमंत्री ने विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2022-23 के आय-व्ययक पर सामान्य चर्चा का दिया जवाब

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2022-23 के आय-व्ययक पर सामान्य चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि राज्य सरकार का यह प्रयास है कि बजट का लाभ सभी वर्गों को मिले। गरीबों के जीवन स्तर में बदलाव आए। सभी को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अच्छे अवसर मिले। गरीबों, आदिवासियों और आम लोगों की जेब में सीधे पैसा जाए और उनके जीवन में बदलाव आए। उन्होंने कहा कि बजट में हर वर्ग का ध्यान रखा गया है।

लोगों को राशन, बिजली, किसानों को निःशुल्क बिजली की व्यवस्था, किसानों को राजीव गांधी किसान न्याय योजना और भूमिहीन कृषि मजदूरों को राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के माध्यम से सहायता दी जा रही हैं। लाखों अधिकारियों-कर्मचारियों के भविष्य को सुरक्षित करते हुए पुरानी पेंशन योजना लागू की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के किसानों और मजदूरों के हित में यदि हमें कर्ज लेना पड़े तो हम लेंगे, इनको धोखा नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने किसानों से किया गया वादा निभाया है। किसानों को धान का 2500 रूपए क्विंटल देने का वादा किया था। लगातार इसे रोकने की कोशिश की गई। लेकिन हमने कहा कि इससे एक रूपए भी कम नहीं होगा। हमने अपना वादा निभाया। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि सदन में पूरे बजट के दौरान एक बार भी हमारे सदन के सदस्यों ने टोका-टाकी नहीं की, यह इस बजट की सफलता है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने खराब गुणवत्ता की इतनी पतली सड़क बनाई की तीन साल में ही उखड़ गई। उस समय छत्तीसगढ़ नक्सलगढ़ के नाम से जाना जाता था, लेकिन आज नक्सल घटनाओं में कमी आई है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष से कहा कि आपने बोनस नहीं दिया और अब हमें कहते हैं कि बोनस दो। पहले केन्द्रीय योजनाओं में केन्द्र का हिस्सा 90 प्रतिशत होता था। बाद में यह 60 प्रतिशत और वर्तमान में राज्य और केन्द्र का हिस्सा 50-50 प्रतिशत हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने किसानों की कर्जमाफी की, 25 सौ में धान खरीदा, आज किसान अपने पसंद का मकान बना रहे हैं। उन्होंने केन्द्र सरकार के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा कि राष्ट्रीय गुणवत्ता परीक्षकों के माध्यम से पिछले तीन वर्षों में छत्तीसगढ़ में निर्मित प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़कों का परीक्षण करवाया गया, जिसमें 99.75 प्रतिशत कार्य संतोषप्रद पाया गया। छत्तीसगढ़ सड़क निर्माण में 85 प्रतिशत उपलब्धि के साथ देश में प्रथम स्थान पर है। इसके लिए भारत सरकार ने 221 करोड़ रूपए का पुरस्कार छत्तीसगढ़ को प्रदान किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020-21 में 6000 किलोमीटर सड़कों की मरम्मत की निविदा जारी की गई है, 3342 किलोमीटर की स्वीकृति जारी की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार छत्तीसगढ़ को अनुदान और केन्द्रीय करों में हिस्सा कम दे रही है। जबकि हम राज्य के राजस्व में लगातार वृद्धि कर रहे है। ऐसा पहली बार हुआ है कि केन्द्रीय कर अनुदान और छत्तीसगढ़ का राजस्व बराबर है। छत्तीसगढ़ का राजस्व 44 हजार 500 करोड़ रूपए और केन्द्रीय कर अनुदान भी 44 हजार 500 करोड़ रूपए है। उन्होंने जीएसडीपी के संबंध में कहा कि वर्ष 2021-22 में छत्तीसगढ़ का जीएसडीपी 11.54 जबकि केन्द्र का 9.2 प्रतिशत रहा। वर्ष 2020-21 में जब कोरोना पीक पर था, केन्द्र का जीएसडीपी माईनस 7.7 था। उस समय छत्तीसगढ़ में इसे 1.7 में रोकने में सफलता पायी। छत्तीसगढ़ ने उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्यप्रदेश, हरियाणा और कर्नाटक से कम ऋण लिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार के 15 साल में 4 मेडिकल कॉलेज प्रारंभ हुए। हमारे तीन वर्ष में कोरबा, कांकेर, महासमुंद मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति मिली और दुर्ग के निजी मेडिकल कॉलेज का अधिग्रहण किया गया। राज्य में कुपोषण में कमी आई है। हम बीपीएल और एपीएल परिवारों को 35 किलो प्रति परिवार चावल दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना से 87 हजार 928 ग्रामीणों को मिला उपचार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर ।मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों व सुदूर वनांचलों में अंतिम छोर के व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए संचालित मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना से हजारों ग्रामीण लाभान्वित हो चुके हैं। हाट बाजारों में ही ईलाज की सुविधा मिल जाने से यह योजना ग्रामीण अंचल के लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी, उन्हें स्थानीय हाट बाजार में ही ईलाज की सुविधा मिल जाएगी।

जिले में इस वर्ष अब तक 24 हाट-बाजारों में 720 मोबाइल क्लीनिक लगाकर लगभग 87 हजार 928 ग्रामीणों को प्राथमिक उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी परामर्श एवं निःशुल्क दवाईयां प्रदान की गई है, इनमें 42 हजार 385 महिलाएं और 45 हजार 543 पुरूष शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार की प्राथमिकता वाले योजनाओं में शामिल मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना अंतर्गत जिले के विभिन्न विकासखंडों में लगने वाले मुख्य हाट बाजारों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किये जा रहे हैं, जहां चिकित्सक अपने स्टाफ के साथ उपस्थित रहते हैं और मरीजों का इलाज करते हैं। मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना के तहत जिले में आवश्यकता अनुरूप तथा गांवों से स्वास्थ्य केन्द्र की दूरी के आधार पर 24 हाट बाजारों का चिन्हांकन किया गया है। प्रत्येक हफ्ते डेडिकेटेड टीम के माध्यम से इन हाट बाजारों में आने वाले ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण तथा उन्हें आवश्यक उपचार की सुविधा प्रदान की जा रही है।

प्रत्येक हाट-बाजार में चिकित्सा अधिकारी, स्टाफ नर्स अथवा महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता, फॉर्मासिस्ट तथा पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता होते हैं। हाट-बाजारों के लिये डेडिकेटेड वाहन उपलब्ध कराये गये हैं जिनमें सभी प्रकार की आवश्यक औषधियां उपलब्ध रहती हैं। हाट-बाजार पहुंचने पर मोबाइल एप के माध्यम से लोकेशन मैपिंग की जाती है ताकि विभाग के अधिकारी को टीम के भ्रमण की सही जानकारी मिल सके। प्रत्येक दिन हाट-बाजार की समाप्ति पर लाभान्वितों की संख्या को एप के माध्यम से दर्ज किया जाता है। इस वर्ष अब तक बिल्हा विकासखंड के 6 हाट बाजारों में 169 टीमों के माध्यम से 24 हजार से अधिक मरीजों का उपचार किया गया है।

भिलाई इस्पात संयंत्र के इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग ने सुरक्षा जागरूकता सप्ताह का किया आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग द्वारा सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम 8 मार्च से 10 मार्च तक मनाया गया। सर्वप्रथम सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (इंस्ट्रूमेंटेशन एंड ऑटोमेशन) असीत साहा उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यकारी मुख्य महाप्रबंधक (फायर एंड सेफ्टी) जी पी सिंह ने किया।

सर्वप्रथम भगवान विश्वकर्मा जी के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर मंत्रोचार के बीच दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। पुष्पगुच्छ से अतिथियों के स्वागत के पश्चात सर्वप्रथम स्वागत उद्बोधन इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग के प्रमुख संत कुमार केसकर ने तथा सुरक्षा वार्षिक प्रतिवेदन विभाग के सुरक्षा अधिकारी सेवाराम जत्रेले ने प्रस्तुत किया।

उद्घाटन समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि श्री असीत साहा ने अपने संबोधन में कार्यक्रम की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं देते हुए अधिकतम नियर मिस केस रिपोर्टिंग पर बल दिया ताकि हम भिलाई इस्पात संयंत्र में शून्य दुर्घटना के लक्ष्य को प्राप्त कर सके।

मुख्य अतिथि द्वारा इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग द्वारा लगाई गई भव्य सुरक्षा प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। आभार प्रदर्शन विभाग के महाप्रबंधक एम वी बाबू ने किया। प्रथम दिन सुरक्षा क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें काफी संख्या में कार्मिकों ने भाग लिया।

इसी प्रकार सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के दूसरे दिन सुरक्षा नाटक प्रतियोगिता, सुरक्षा गीत, संगीत प्रतियोगिता एवं सुरक्षा विषय पर आधारित वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन आयोजनों में बड़ी संख्या में विभाग के कार्मिकों ने अपनी भागीदारी प्रदान की। सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (इंस्ट्रूमेंटेशन एंड ऑटोमेशन) असीत साहा एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यकारी मुख्य महाप्रबंधक (फायर एंड सेफ्टी) जी पी सिंह ने की।

इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग के कार्मिकों ने सर्वप्रथम सुरक्षा गान प्रस्तुति किया साथ ही इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग के कोक ओवन सेक्शन के कार्मिकों द्वारा बेहतरीन नाटक कुछ नहीं होता का मंचन किया गया। स्वागत भाषण विभाग प्रमुख संत कुमार केसकर जी ने दिया इसके बाद विभागीय सुरक्षा अधिकारी सेवाराम जत्रेले ने सुरक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित किए गए संपूर्ण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जी पी सिंह ने अपने उद्बोधन में कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए भिलाई इस्पात संयंत्र की सुरक्षा में इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

साथ ही मुख्य अतिथि ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में प्रबंधन द्वारा जीरो टॉलरेंस सेफ्टी रूल्स पर जोर देते हुए सभी कार्मिकों को सुरक्षित व्यवहार करने पर बल दिया इसके बाद मुख्य अतिथि द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया और आभार प्रदर्शन विभाग के महाप्रबंधक एम वी बाबू ने किया। संपूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन अनिल मिश्रा एवं वी के चैधरी ने किया।

महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत महिला हितग्राहियों का सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत महिला हितग्राहियों द्वारा निजी भूमि पर निर्मित परिसंपत्तियों से उनकी आजीविका में परिवर्तन आया हैं। जिले में उक्त विषय पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली 5 महिला हितग्राहियों को जिला पंचायत अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत रायपुर द्वारा पंचायत मंत्री श्री टी.एस.सिंह देव की अध्यक्षता में आयोजित वीडियों कान्फ्रेंसिंग के दौरान सम्मानित किया गया।

सम्मानित होने वाले महिलाओं में विकासखंड अभनपुर के ग्राम पंचायत जामगांव की श्रीमती विद्या ध्रुव द्वारा पशु शेड निर्माण, विकासखंड आरंग के ग्राम पंचायत मुनरेठी की श्रीमती तारन बाई द्वारा निजी कुआॅ निर्माण, ग्राम पंचायत रीवा की श्रीमती तुलसा बाई साहू द्वारा पशु शेड निर्माण, विकासखंड धरसींवा के ग्राम पंचायत गिरौद की श्रीमती लखेश्वरी वर्मा द्वारा पशु शेड निर्माण और विकासखंड तिल्दा के ग्राम पंचायत सतभावा की श्रीमती शकुन बाई वर्मा द्वारा पशु शेड का निर्माण निजी भूमि पर कराया गया हैं। उक्त कार्य से महिलाओं की आजीविका में वृद्धि हुई हैं।

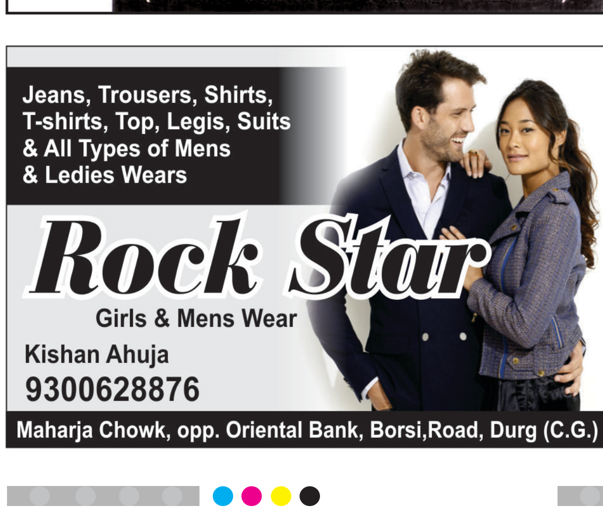

खास खबर

ग्राम पंचायत टेमरी में आयोजित किया गया जल जीवन मिशन जागरूकता रैली

रायपुर। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन के अंतर्गत धरसीवां विकासखण्ड के ग्राम पंचायत टेमरी में जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जल सुरक्षा एवं संरक्षण के उद्देश्य से जल जीवन मिशन टीम के द्वारा रैली का आयोजन किया गया। रैली में महिला समूह, जल समिति, ग्राम प्रतिनिधियों, शाला के शिक्षकों-विद्यार्थियों सहित ग्राम वासियों को पानी की गुणवत्ता का परीक्षण, घरेलू नल कनेक्शन की जानकारी, एफटी के की एण्ट्री, पानी का बचाव, स्वच्छ पानी का उपयोग करने सहित अन्य जानकारियां प्रदान की गई। लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से ग्राम में भ्रमण कर रैली के तहत घर-घर जाकर उनसे सम्पर्क कर स्वच्छता एवं जल संरक्षण हेतू जागरूक किया गया। जल जीवन मिशन के तहत आईएसए गतिविधियों के लिए धरसीवां विकास खण्ड में एनजीओ नियुक्त किया गया हैं। गांव में पांच महिलाओं की टीम निर्धारित की गई हैं, जिन्हें हैण्डपम्प के पानी की गुणवत्ता का परिक्षण करना एवं उसकी ऑनलाईन एण्ट्री की ट्रेनिंग भी प्रदान की गई है। एनजीओ द्वारा ग्राम में घरेलू नल कनेक्शन का सर्वे किया जा रहा है। इस जन जागरूकता रैली में जल जीवन मिशन की टीम के साथ सरपंच पद्मिनी यादव, ग्राम सचिव प्रभारानी मसीह, प्रधान पाठिका कविता मण्डल, टेक्नीशियन गंगाधर बांधे, आगंनवाड़ी कार्यकर्ता एवं मितानिन, स्कूल के विद्यार्थी सहित ग्रामवासियों ने अपनी भागीदारी प्रदान की।

रायपुर नगर निगम का बजट 15 मार्च को सामान्य सभा में होगा पारित

रायपुर। रायपुर नगर निगम का बहुप्रतीक्षित बजट 15 मार्च को जनता के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। नगर निगम के सभापति प्रमोद दुबे ने शुक्रवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि महापौर एजाज ढेबर वर्ष 2022-23 का बजट प्रस्तुत कर बजट अभिभाषण पढ़ेंगे। कोविड काल के दो वर्ष में एमआईसी द्वारा पारित बजट को शासन से स्वीकृति लेकर अंगीकृत कर वर्ष भर कार्य किए गए। निगम सभापति प्रमोद दुबे ने सदस्यों से आग्रह किया है कि वे प्रश्नकाल के उपरांत पारित बजट पर चर्चा में भाग लेकर रायपुर शहर के विकास में अपने सुझाव दें। सभापति प्रमोद दुबे ने कहा कि सदस्यों के समक्ष प्रथम बार इस बजट में चर्चा होगी, क्योंकि दो वर्षों तक लगातार कोरोना महामारी के कारण सदस्यों ने प्रत्यक्ष सुझाव नहीं दे पाए थे। प्रमोद दुबे ने सभी पार्षदों से अपील है कि अपने शहर के साथ-साथ अपने वार्डों के लिए सकारात्मक सुझाव जरूर दें। सभी सदस्यों से उन्होंने यह भी कहा है कि तथ्यात्मक पहलुओं पर चर्चा करेंगे तो बेहतर होगा, साथ ही सदन का समय भी अन्य पार्षदों को चर्चा करने मिल सकता है। एक ही विषय पर बार बार चर्चा करने से बचना आवश्यक है, ताकि सभी सदस्यों को मौका मिल पाए।

प्रमोद दुबे ने बताया कि रायपुर शहर महानगर का आकार ले रहा है, इसलिए शहर के चहुंमुखी विकास के लिए सदस्यों से चर्चा की अपेक्षा होगी, खासकर बाजारों के विकेंद्रीकरण, व्यवस्थित और समन्वित विकास पर केंद्रित कर सभी अपनी बेहतर तैयारी करें। आदिवासी कांग्रेस के रायपुर शहर जिलाध्यक्ष भवानी सिंह मरकाम ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा पेश किए गए बजट को मजदूर, किसान, वनवासी, महिलाओं, युवाओं, छात्रों, शासकीय कर्मचारियों समेत सभी की इच्छा को पूरा करने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि यह सभी वर्गों को न्याय देने वाला बजट है।

उद्यान विभाग में माली के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति

रायपुर। उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी विभाग इंद्रावती भवन अटलनगर नवा रायपुर द्वारा माली के पद पर आवेदकों को अनुकम्पा नियुक्ति का आदेश जारी किया गया है। संचालक उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी से मिली जानकारी के अनुसार अनुकम्पा नियुक्ति हेतु सत्यपाल सिंह पैकरा को माली के पद पर कार्यालय सहायक संचालक उद्यान सूरजपुर एवं उमाचरण सिदार को कार्यालय सहायक संचालक उद्यान रायगढ़ में माली के पद पर पदस्थ किय गया है।

छत्तीसगढ़ में कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा दिये जाने की जरूरत : रविन्द्र चौबे

कृषि मंत्री ने कृषि विश्वविद्यालय परिसर में चार दिवसीय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की पहचान कृषि आधारित विकसित राज्य के रूप में बन रही है और आज यहां किसानों की दुर्दशा तथा पलायन की जगह किसानों की संपन्नता के बारे में चर्चा होती है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र के विकास को और अधिक तीव्र करने के लिए छत्तीसगढ़ में कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा दिये जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण के बाद यहां कृषि एवं किसानों की स्थिति काफी बेहतर हुई है और किसानों की बेहतरी में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय का बहुत बढ़ा योगदान है। कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किसानोपयोगी कृषि प्रौद्योगिकी, नवीन किस्मों, कृषि अनुसंधान एवं इसके किसानों तक प्रसार ने प्रदेश के किसानों को खुशहाली की नई राह दिखाई है।

कृषि मंत्री चौबे ने कृषि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय किसान मेले एवं कृषि प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए यह बात कही। शुभारंभ समारोह में रायपुर ग्रामीण विधायक सत्यनारायण शर्मा, कृषक कल्याण परिषद के उपाध्यक्ष महेन्द्र चन्द्राकर, इंदिरा कृषि विश्वविद्यालय प्रबंध मण्डल की सदस्य वल्लरी चन्द्राकर, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, संचालक कृषि यशवंत कुमार तथा संचालक उद्यानिकी माथेश्वरन व्ही भी उपस्थित थे।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल इस अवसर पर कहा कि कृषि विश्वविद्यालय द्वारा निरंतर कृषकोंपयोगी कृषि प्रौद्योगिकी विकसित की जा रही है तथा अनुसंधान कार्य किये जा रहे हैं। विभिन्न फसलों की 150 से अधिक नवीन किस्में विकसित की गई है जो अधिक उत्पादन देने तथा विभिन्न रोग-व्याधियों का मुकाबला करने में सक्षम हैं। विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 27 कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से इस नवीन प्रौद्योगिकी तथा अनुसंधान को किसानों तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगले वित्तीय वर्ष में साजा और पैंडरा में नये कृषि विज्ञान केन्द्र प्रारंभ किया जाना प्रस्तावित है। डॉ. चंदेल ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार के सहायोग से विश्वविद्यालय में 14 करोड़ रूपये की लागत से स्थापित बायोटेक हब के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नवाचार एवं स्टार्टअप स्थापित करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव जीके निर्माम, संचाक अनुसंधान डॉ. पीके चन्द्राकर, निदेशक विस्तार डॉ. आरके बाजपेयी, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एमपी ठाकुर, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. जीके श्रीवास्तव एवं विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष प्राध्यापक, वैज्ञानिक एवं बड़ी संख्या में किसान एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

फार्मटेक एशिया अंतर्राष्ट्रीय कृषि प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

समारोह को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की बेहतरी के अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। गौधन विकास योजना तथा नरवा, गरूआ, घुरवा और बाड़ी जैसी किसान हितैषी योजनाओं से गांवों की तस्वीर बदल रही है। इस वर्ष राज्य सरकार द्वारा किसानों से 98 लाख मीटरिक टन धान की रिकार्ड खरीदी की गई है और किसानों के खातों में 20 हजार करोड़ रूपये स्थानान्तरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि फार्मटेक एशिया अन्तर्राष्ट्रीय कृषि प्रदर्शनी जैसे आयोजनों से किसानों को खेती-बाड़ी की नवीनतम तकनीक एवं उत्पादों से अवगत होने का अवसर प्राप्त होता है। यहां किसानों को राज्य सरकार की किसान कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने तथा इनका लाभ उठाने का भी मौका मिलता है। श्री चौबे ने प्रदेश में कृषि के विकास में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के योगदान की सराहना करते हुए विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

सी-मार्ट की स्थापना के लिए गठित हाई पॉवर कमेटी की बैठक सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सी-मार्टस की स्थापना के लिए गठित उच्च स्तरीय कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलों एवं क्षेत्रीय स्तर पर स्थापित होने वाले सी-मार्ट के संचालन, सी-मार्ट में विभिन्न उत्पादों के विक्रय, ब्रांडिंग सहित अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर व्यापक विचार विमर्श किया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में ग्रामोद्योग विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. आलोक शुक्ला एवं वन,वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव मनोज पिंगुआ भी शामिल हुए।

मुख्य सचिव ने सी-मार्ट की स्थापना के लिए अधिकारियों को सभी आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिलों के कलेक्टरों को अपने जिलों में स्थापित हाने वाले सी-मार्ट के संचालन के लिए आपरेटर्स, स्थानीय उत्पादित सामग्री तैयार करने वाले स्व सहायता समूहों, शिल्पियों, कुम्भकारों, पारम्परिक एवं कुटीर उद्योगों की

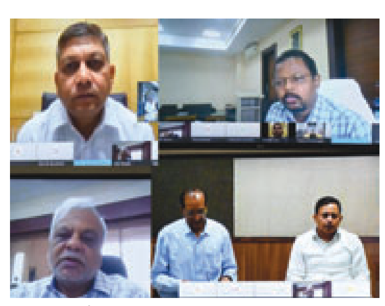

लिस्टिंग के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में छत्तीसगढ़ लघु वनोपज संघ के प्रबंध संचालक डॉ. संजय शुक्ला ने सी-मार्ट स्थापना के लिए राज्य लघु वनोपज संघ के व्यवसाय के अनुभव साझा करते हुए सी-मार्ट के संचालन के संबंध में व्यापक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शासन के विभिन्न विभागों के अंतर्गत संचालित योजनाओं के लाभार्थी महिला स्व सहायता समूहों, शिल्पियों, पारम्परिक एवं कुटीर उद्योगों द्वारा निर्मित उत्पादों को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के लिए सी-मार्ट खोले जा रहे हैं। इससे स्थानीय लोगों को फायदा होगा।

गर्व से जीने की आजादी: मनरेगा के महिला हितग्राहियों के सम्मान समारोह में शामिल हुए मंत्री टीएस सिंहदेव

रायपुर। मनरेगा के महिला हितग्राहियों के सम्मान समारोह में शामिल हुएराज्य मनरेगा कार्यालय द्वारा मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) के अंतर्गत निजी भूमि में आजीविका संवर्धन के कार्यों से लाभान्वित 140 महिलाओं को सम्मानित किया गया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को 'आइकॉनिक वीक के रूप में मनाते हुए मनरेगा में महिला हितग्राहियों की लगातार बढ़ रही भागीदारी को रेखांकित कर हर जिले से पांच-पांच महिलाओं का सम्मान किया गया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री टीएस सिंहदेव कार्यक्रम में मणिपुर से ऑनलाइन शामिल हुए।

मनरेगा के महिला हितग्राहियों के सम्मान समारोह में शामिल हुएपंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री सिंहदेव ने सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि

मनरेगा के अंतर्गत निजी भूमि पर लिए जाने वाले आजीविका आधारित कार्य यथासम्भव महिलाओं के नाम से स्वीकृत किया जाना चाहिए। इससे परिवार की आर्थिक प्रगति में उनकी सशक्त भागीदारी दर्ज होगी। उन्होंने ष्गर्व से जीने की आजादीष् की थीम पर आयोजित सम्मान समारोह में सात जिलों धमतरी, गरियाबंद, राजनांदगांव, कांकेर, कोण्डागांव, कबीरधाम और दंतेवाड़ा की महिला हितग्राहियों से मनरेगा से उनकी निजी भूमि पर बनी परिसम्पत्ति से हो रहे लाभ और आजीविका संवर्धन की जानकारी ली। उन्होंने इन महिलाओं के कार्यों की सराहना करते हुए हौसला अफजाई भी की।

मनरेगा के महिला हितग्राहियों के सम्मान समारोह में शामिल हुएकार्यक्रम में मनरेगा से बकरी पालन के लिए शेड प्राप्त करने वाली कबीरधाम जिले की सुश्री अहिल्या यादव, मछली पालन के लिए निजी भूमि में डबरी निर्माण से लाभान्वित गरियाबंद जिले की फुलेश्वरी बाई साहू और धमतरी की लता बाई तथा मुर्गी पालन शेड के निर्माण के बाद मुर्गी पालन करने वाली कांकेर जिले की पदमनी कुमेटी ने आजीविका के अपने नए साधनों और इनसे हो रही कमाई के बारे में बताया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री सिंहदेव ने इन महिलाओं से उनके द्वारा मुर्गी, बकरी और पशु शेड में किये जा रहे कार्यों की जानकारी लेने के बाद उनसे चारा व्यवस्था, इलाज, दवाईयों तथा बाजार में मिल रही कीमत के बारे में भी पूछा। उन्होंने आगे और भी बेहतर कार्य के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

वेक्टरजनित रोगों की रोकथाम: मुख्य सचिव ने कलेक्टर और जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को जारी किया परिपत्र

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने प्रदेश में वेक्टरजनित रोगों की रोकथाम और मच्छरों पर नियंत्रण के लिए सभी जिलों के कलेक्टर तथा जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को परिपत्र जारी किया है। उन्होंने ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों की सहभागिता से गांवों व शहरों में मच्छरों पर नियंत्रण के लिए जरूरी उपाय करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मच्छरों को रोकने सभी सरकारी भवनों के दरवाजों व खिड़कियों में यथासंभव जाली लगाने कहा है।

मुख्य सचिव जैन ने कलेक्टरों और जिला पंचायतों के सीईओ को भेजे परिपत्र में कहा है कि वेक्टरजनित रोग जैसे मलेरिया, डेंगू, फाइलेरिया इत्यादि मच्छरों द्वारा फैलते हैं। गर्मी की शुरूआत से जून महीने तक सामान्यत: मच्छरों की संख्या कम होती है। इस अवधि में आगामी महीनों में उनकी वृद्धि को रोका जा सकता है तथा वेक्टरजनित रोगों के नियंत्रण और उन्मूलन का कार्य किया जा सकता है। उन्होंने नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों को इसके लिए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव ने मच्छरों की बढ़ोतरी रोकने के लिए मार्च और अप्रैल महीने में सभी तालाबों में गंबुजिया और गुप्पी मछली छोड़ने कहा है। एक गंबुजिया मछली दिन में 300 लार्वा तक खा सकती है। इसलिए यह बायोवेक्टर नियंत्रण में प्रभावी होगा। मछली पालन विभाग से संपर्क कर ये मछलियां आसानी से प्राप्त की जा सकती हैं। उन्होंने सभी सरकारी भवनों के दरवाजों और खिड़कियों में यथासंभव जाली लगाने कहा है। निजी आवासों में भी जाली लगाने के लिए लोगों को जागरूक करने के निर्देश उन्होंने दिए हैं। उन्होंने पानी की टंकियों के ढक्कन की मरम्मत भी सुनिश्चित करने कहा है। मुख्य सचिव ने मच्छरों को रोकने आगामी मई और जून महीने में स्थानीय निकायों द्वारा फॉगिंग और इंडोर-स्प्रे की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें :-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

टीना अंबानी ने शेयर की बेटे अनमोल की शादी की एलबम, एक साथ नजर आया अंबानी और बच्चन परिवार

अनिल अंबानी के बड़े बेटे अनमोल अंबानी हाल ही में अपनी लॉन्ग टर्म गर्लफ्रेंड कृशा शाह संग कुछ ही समय पहले शादी के बंधन में बंधे थे। दोनों की शादी में कई हस्तियां शामिल हुई थीं लेकिन परिवार की तरफ से तस्वीरें शेयर नहीं की गई थी और न ही इसमें मीडिया को इन्वॉल्व किया गया था। जिसकी वजह से उनकी शादी की कुछ तस्वीरें ही सामने आईं थी। अब टीना अंबानी ने अपने बेटे बहू की शादी की कई तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में पूरा अंबानी परिवार और बच्चन परिवार एक साथ नजर आ रहा है।

मनोज बाजपेई स्टारर 'गुलमोहर' की शूटिंग शुरू

मनोज बाजपेई ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'गुलमोहर' की शूटिंग शूरू की है। इस बात की जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दी है। उन्होंने लिखा, फिल्म शुरू, नया महौल....नया वातावरण। हवाओं में थोड़ा नर्वसनेस भी है और एक्साइटमेंट भी। हमें शुभकामनाएं दीजिए। इस फिल्म को राहुल वी चित्तला डायरेक्टर कर रहे हैं। गुलमोहर में मनोज के अलावा शर्मिला टैगोर, सूरज शर्मा और तलत अजीज भी नजर आएंगे।

तेलुगु फिल्म प्रोड्यूसर बेल्लमकोंडा सुरेश और उनके बेटे पर धोखाधड़ी का केस दर्ज

हैदराबाद पुलिस ने तेलुगु फिल्म प्रोड्यूसर बेल्लमकोंडा सुरेश और उनके बेटे एक्टर बेल्लमकोंडा साई श्रीनिवास के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज किया है। वी एल श्रवण कुमार ने आरोप लगाया कि प्रोड्यूसर और उनके बेटे में 2018 से अभी तक फिल्म बनाने के नाम पर 85 लाख रुपए लिए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सुरेश ने उन्हे अपनी अपकमिंग फिल्म में असिस्टेंट प्रोड्यूसर लेना का वादा किया था। पुलिस ने सुरेश और उनके बेटे के खिलाफ IPC की धारा 406, 417,420 और 120B के तहत केस दर्ज किया है।

कटरीना कैफ ने विजय सेतुपति के साथ 'मैरी क्रिसमस' की शूटिंग शुरू की

बॉलीवुड एक्ट्रेस कटरीना कैफ ने फिल्म 'मैरी क्रिसमस' की शूटिंग की शुरुआत कर दी है। इसकी जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म के सेट से क्लैप की फोटो शेयर करते हुए दी है। इस फिल्म में कटरीना के साथ साउथ के सुपरस्टार विजय सेतुपति भी नजर आएंगे। इस फिल्म का डायरेक्शन श्रीराम राघवन कर रहे हैं। बता दें इससे पहले कटरीना, सलमान के साथ 'टाइगर 3' की शूटिंग कर रही थीं।

बड़ा पैकेट छोटा धमाका: 350 करोड़ में बनी राधे श्याम को नहीं मिला दर्शकों और क्रिटिक का पॉजिटिव रिस्पॉन्स

प्रभास और पूजा हेगड़े स्टारर फिक्शनल- फेंटेसी फिल्म राधे-श्याम 11 मार्च को रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म को 350 करोड़ रुपए के बड़े बजट में तैयार किया गया था, जिसमें 60 करोड़ रुपए में एडवांस वीएफएक्स का इस्तेमाल हुआ है। फिल्म से हर किसी को बड़ी उम्मीदें थीं लेकिन इसे कई क्रिटिक्स ने निराशाजनक बताया है। राधे-श्याम के अलावा भी कई फिल्में ऐसी हैं, जिन्हें बड़ी उम्मीदों से बड़े बजट में तैयार किया गया था, लेकिन वो बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुईं।

इन सबसे मंहगी फिल्मों को भी हुआ था बड़ा नुकसान

83

2021 के आखिर में रिलीज हुई रणवीर सिंह की फिल्म को 280 करोड़ रुपए में तैयार किया गया था। दो सालों तक पोस्टपोन होने के बाद फिल्म को 50 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी के साथ खुले सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। फिल्म ने 12.62 करोड़ की ओपनिंग की थी, जो की काफी निराशाजनक था। दुनियाभर में फिल्म महज 193 करोड़ कमा पाई थी। कोविड की तीसरी लहर के दौरान रिलीज हुई इस फिल्म की स्थिति से डरकर शाहिद कपूर की जर्सी, पैन इंडिया फिल्म आरआरआर और गंगूबाई काठियावाड़ी को पोस्टपोन कर दिया गया था, जो इसके आस-पास ही रिलीज की जाने वाली थीं।

साहो

प्रभास की पैन इंडिया फिल्म साहो को 350 करोड़ के बिग बजट में तैयार किया गया था। ये बॉलीवुड की सबसे महंगी फिल्मों में से एक है। फिल्म ने भारत में महज 302 करोड़ रुपए की कमाई की थी, हालांकि दुनियाभर में इस फिल्म की रिलीज से लागत की रिकवरी हो सकी थी। फिल्म ने दुनियाभर में 433 करोड़ का कलेक्शन किया था।

जीरो

शाहरुख खान, अनुष्का शर्मा और कटरीना कैफस्टारर फिल्म जीरो 100 करोड़ के क्लब में शामिल होने के बावजूद एक फ्लॉप फिल्म थी। कारण ये था कि इसे 200 करोड़ के बजट में तैयार किया था, लेकिन इसने महज 191 करोड़ का ही कलेक्शन किया था। ये शाहरुख खान और अनुष्का शर्मा की आखिरी फिल्म थी।

ठग्स ऑफ हिंदुस्तान

साल 2018 में रिलीज हुई आमिर खान, अमिताभ बच्चन, कटरीना कैफ स्टारर फिल्म ठग्स ऑफ हिंदुस्तान 300 करोड़ के बड़े बजट में तैयार हुई थी। भारत में इस फिल्म ने महज 151 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था, जबकि दुनियाभर में इसने 335 करोड़ का कुल कलेक्शन किया था। ओपनिंग में फिल्म ने बाहुबली (41 करोड़), हैप्पी न्यू ईयर (44 करोड़) को पीछे करते हुए 52 करोड़ रुपए कमाए थे, लेकिन कुछ ही दिनों में कलेक्शन की रफ्तार धीमी हो गई थी।

रा.वन

शाहरुख खान के होम प्रोडक्शन में बनी एक्शन हीरो फिल्म रा.वन बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिटी थी। फिल्म को 200 करोड़ में तैयार किया गया था लेकिन इसने लागत से महज 7 करोड़ का प्रॉफिट कमाया था। ये उस साल की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी।

एक महीने में 1 करोड़ कमाती हैं श्रेया घोषाल, नेट वर्थ सुनकर रह जाएंगे दंग

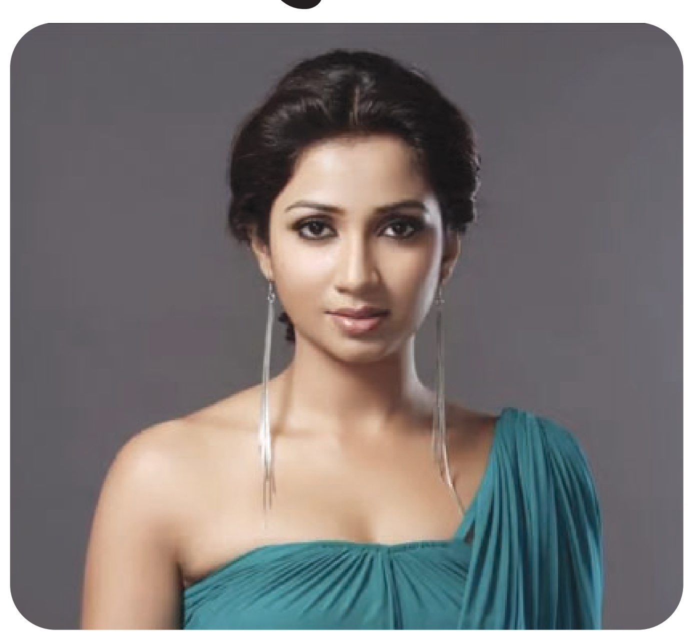

बॉलीवुड की प्रसिद्ध गायिका श्रेया घोषाल आज (12 मार्च) अपना 38वां जन्मदिन मना रही हैं। आज ही के दिन साल 1984 में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में जन्मी श्रेया घोषाल का पालन पोषण राजस्थान के रावतभाटा में हुआ था। सुरों की मल्लिका ने महज छह साल की उम्र में शास्त्रीय संगीत का औपचारिक प्रशिक्षण शुरू कर दिया था। उन्होंने स्वर्गीय कल्याणजी भाई से 18 महीने तक प्रशिक्षण प्राप्त किया और मुंबई में स्वर्गीय मुक्ता भिड़े के साथ शास्त्रीय संगीत का प्रशिक्षण जारी रखा। पढ़ाई के साथ-साथ सुरों की तालीम लेने वाली श्रेया घोषाल ने सोलह वर्ष की आयु में संगीत रियलिटी शो 'सा रे गा मा' को जीत लिया था।

ऐसे मिला पहला ब्रेक

सा रे गा मा के 75वें चिल्ड्रेन्स डे स्पेशल शो के दौरान संजय लीला भंसाली की मां ने निर्देशन में श्रेया का प्रदर्शन देखने के लिए बुलाया था। उनके गायिका से संजय लीला भंसाली इतने प्रभावित हो गए कि उन्होंने श्रेया को अपनी अगली फिल्म में मौका देने का फैसला कर लिया। 2000 में, भंसाली और संगीत निर्देशक इस्माइल दरबार ने श्रेया को देवदास की मुख्य महिला पात्र पारो की आवाज बनने का मौका दिया। घोषाल ने कविता कृष्णमूर्ति, उदित नारायण जैसे स्थापित गायकों के साथ, सिलसिला ये चाहत का, बैरी पिया, चालक चालक, मोरे पिया और डोला रे डोला जैसे पांच गाने गाए।

बनी सबसे ज्यादा फीस लेने वाली गायिका

देवदास के साथ-साथ फिल्म के गाने भी काफी हिट साबित हुए और श्रेया घोषाल की किस्मत चमक गई। इसके बाद गायिका ने बैक-टू-बैक कई बेहतरीन गाने गाए और हिंदी सिनेमा में सबसे ज्यादा फीस लेने वाली गायिका बन गईं। श्रेया घोषाल को चार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, चार केरल राज्य फिल्म पुरस्कार, दो तमिलनाडु राज्य फिल्म पुरस्कार, सात फिल्मफेयर पुरस्कार और दस फिल्मफेयर पुरस्कार दक्षिण से सम्मानित किया गया है। उन्होंने विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्मों और एल्बमों के लिए गाने रिकॉर्ड किए हैं और खुद को भारतीय सिनेमा के प्रमुख पार्श्व गायकों में से एक के रूप में स्थापित किया है।

इतने करोड़ संपत्ति की हैं मालकिन

रिपोर्ट के अनुसार, श्रेया घोषाल की कुल संपत्ति तकरीबन 25 मिलियन डॉलर यानी 182 करोड़ रुपये की है। उनकी आय का अधिकांश हिस्सा सिंगिंग से आता है। वह विभिन्न रियलिटी टीवी शो में बतौर जज हिस्सा लेती हैं। गायिका श्रेया घोषाल प्रति माह 1 करोड़ से अधिक की कमाई करती हैं। यदि वार्षिक आय की बात करें तो वह 12 करोड़ से अधिक होने का अनुमान है।

श्रेया घोषाल के लिए अमेरिका में मनाया जाता है खास दिन

इसके अलावा श्रेया घोषाल को संयुक्त राज्य अमेरिका के ओहियो राज्य द्वारा सम्मानित किया गया है। वहां के गवर्नर टेड स्ट्रिकलैंड ने 26 जून को श्रेया घोषाल दिवस के रूप मनाने की घोषणा की है। 2010 में पहली बार श्रेया घोषाल डे मनाया गया था। अप्रैल 2013 में, उन्हें यूनाइटेड किंगडम के हाउस ऑफ कॉमन्स के चयनित सदस्यों द्वारा लंदन में सम्मानित किया गया था।

प्रीति जिंटा ने पति जीन गुडइनफ के बर्थडे पर दी बधाई, तस्वीर शेयर कर लिखा दिल छू लेने वाला नोट

प्रीति जिंटा को बॉलीवुड की डिंपल गर्ल कहा जाता है। वह इंडस्ट्री में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा चुकी हैं। उनकी चुलबुली मुस्कान को फैंस आज भी पसंद करते हैं। प्रीति ने इंडस्ट्री के तीनों खान, शाहरुख, सलमान और आमिर खान के साथ काम किया है। प्रीति की शादी को हाल ही में 6 साल पूरे हुए हैं। इस मौके पर उन्होंने पति को विश करते हुए एक तस्वीर शेयर की थी। हालांकि शादी के बाद उन्होंने बॉलीवुड से दूरी बना ली लेकिन अभी भी वह सोशलल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं।

प्रीति जिंटा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह अपने पति के साथ दिखाई दे रही हैं। दरअसल आज प्रीति के पति जीन गुडइनफका जन्मदिन है। इस मौके पर प्रीति जिंटा ने उनको बधाई दी है। कैप्शन में प्रीति ने लिखा- जन्मदिन मुबारक हो मेरे प्रिय। हमने कई जन्मदिन और कई अनुभव एकसाथ बिताए हैं। आई लव यू।

तस्वीर में प्रीति और जीन समुंदर किनारे बीच पर चिल करते दिखाई दे रहे हैं। प्रीति ने ऑरेंज रंग का टॉप पहन रखा है। उनके बाल खुले हुए हैं उन्होंने बहुत हल्का और नेचुरल मेकअप किया है। वहीं उनके पति जीन ने मरून रंग का फ्रंट ओपन वूलेन शर्ट और जींस पहना है। दोनों एकसाथ काफी खुश नजर आ रहे हैं।

प्रीति जिंटा हाल ही में सेरोगेसी के जरिए दो जुड़वां बच्चों की मां बनी हैं। प्रीति और उनके पति जीन गुडइनफ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस बात की जानकारी दी थी। प्रीति और उनके पति इससे बेहद खुश हैं। उनके बेटे का नाम जय है और बेटी का नाम जिया है।

46 मिलियन फॉलोअर्स पूरे होने पर उर्वशी रौतेला ने जाहिर की खुशी

बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला अपनी किसी न किसी बात को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। अपने काम के साथ ही वह अपने ग्लैमरस अंदाज और खूबसूरती के लिए भी जानी जाती हैं। उर्वशी अक्सर अपनी बोल्ड और सिजलिंग तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं और उनकी हर एक तस्वीर फैंस का दिल लूट लेती है। लोग उनकी हर एक पोस्ट पर जमकर प्यार बरसाते हैं, इंस्टा पर उनकी लंबी फैन फॉलोइंग है और अब उनके चाहने वालों में और भी इजाफा हो गया है। इंस्टाग्राम पर उर्वशी के फॉलोअर्स की संख्या 46 मिलियन के पार हो गई है। इस मौके पर उन्होंने खास तरीके से फैंस को शुक्रिया कहा है। हाल ही में महिला दिवस के मौके पर एक प्रशंसक ने भी उर्वशी को बेहद खास तोहफा दिया था। इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स की संख्या 49 मिलियन के पार होने की खुशी में एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ने खास अंदाज में फैंस का शुक्रिया कहा है। उर्वशी अपनी फिटनेस को लेकर काफी सजग रहती हैं और अपने फॉलोअर्स बढ़ने पर भी उन्होंने इंस्टा अकाउंट से एक वीडियो शेयर की है, जिसमें वह जिम में नजर आ रही हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि उर्वशी रौतेला 60 किलो के भारी-भरकम टाइडल टैंक से एक्सरसाइज करती नजर आ रही हैं, इस वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, थैंक्यू, 46 मिलियन प्यार, ग्रेटफुल! उर्वशी रौतेला को लेकर लोगों में खूब क्रेज देखने को मिलता है। ऐसे ही एक फैन ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर उर्वशी रौतेला को उनकी मिट्टी की मूर्ति बनाकर गिफ्ट की है। उर्वशी रौतेला ने अपने फैन और मूर्ति के साथ में वीडियो भी शेयर की है। इस वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, आई लव यू गाइस...आप सभी के प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद, विशेष रूप से इस प्रतिमा को बनाने और उपहार में देने के लिए।

खिलाड़ी का फंडा: अक्षय कुमार ने बताया फिल्मों में काम करने का तरीका, बोले- मैं 100 दिनों के शेड्यूल वाली फिल्म नहीं करता

अक्षय कुमार बॉलीवुड के सबसे बिजी और सक्सेसफुल एक्टर्स में से एक हैं। अक्षय हर साल कई फिल्मों में काम करते हैं और कई फिल्में हिट भी होती हैं। अक्षय ने हाल ही एक इंटरव्यू में कहा कि मैं ऐसी फिल्में करती हूं जिसका बजट सीमित होता है और वह तय शेड्यूल में पूरी हो जाती है।

अक्षय कुमार ने बजट को लेकर अपना फंडा बताया

अक्षय कहते हैं बजट मेरे लिए सबसे बड़ा पहलू रहता है। मैं 'बजट हिट तो फिल्म हिट' में विश्वास रखता हूं। मैंने कभी पैसा बर्बाद नहीं किया और सभी के समय का सम्मान किया है। मैं अपने को-एक्टर और क्रू के समय का सम्मान करता हूं, ताकि समय मुझे वापस सम्मान दे सके।

एक्टिंग करो घर जाओ

अक्षय आगे कहते हैं, कोई भी किसी भी फिल्म को 50 दिनों से ज्यादा का वक्त नहीं दे सकता और अगर आप इस समय में फिल्म की शूटिंग करते हैं, तो आपका बजट हमेशा कंट्रोल में रहेगा। मैं ऐसी फिल्मों में काम नहीं करूंगा, जिसमें 100 दिनों से ज्यादा की शूटिंग की जरूरत हो। उन्होंने कहा, मैं कोई मेथड एक्टर नहीं हूं। ना ही खुद को एक कमरे में बंद करने वालों में से भी नहीं हूं। मेरे लिए एक्टिंग करो, और घर चले जाओ वाला फंडा रहता है।

अक्षय कुमार का वर्कफ्रंट

अक्षय कुमार जल्द ही 'पृथ्वीराज', 'रक्षा बंधन', 'राम सेतु' और 'ओह माय गॉड 2' में भी नजर आएंगे। उन्होंने हाल ही में फिल्म 'राम सेतु' की शूटिंग खत्म की है। फिलहाल वह 18 मार्च को रिलीज होने वाली फिल्म 'बच्चन पांडे' के प्रमोशन में व्यस्त हैं।

खास खबर

बैंकर्स ऋण प्रकरणों का निराकरण समयावधि में करें - कलेक्टर

बालोद। कलेक्टर जनमेजय ने कहा कि बैंकर्स एवं विभागीय अधिकारी सामंजस्य बनाकर शासकीय योजना के अंतर्गत ऋण प्रकरणों का निराकरण समयावधि में करें, जिससे हितग्राही शासन की योजनाओं का लाभ समय पर उठा सके। महोबे आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति एवं समीक्षा समिति की बैठक में निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने बैंको के जरिए विभिन्न योजनाओं में अब तक ऋण वितरण की समीक्षा की और कहा कि सभी योजनाओं में लक्ष्य हासिल करें। उन्होंने शासकीय योजना के अंतर्गत विभिन्न बैंको में लंबित ऋण प्रकरणों की जानकारी ली और ऋण प्रकरणों के निराकरण में गुणात्मक सुधार लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने मुद्रा योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि मुद्रा योजना का उद्देश्य युवा, शिक्षित और प्रशिक्षित उद्यमियों को मदद देकर मुख्यधारा में लाना है। मुद्रा योजना के अंतर्गत नया उद्यम शुरू करने वाले युवाओं को एवं पूर्व से लघु व्यवसाय कर रहे लोगों को आसान शर्तो में ऋण उपलब्ध कराया जाता है। मुद्रा योजना के अंतर्गत ऋण के लिए तीन कैटेगरी शिशु, किशोर और तरूण बनाया गया हैं। यदि कोई युवक-युवतियां या समूह कोई व्यवसाय शुरू कर रहे हैं तो उन्हें शिशु कैटेगरी का ऋण दिया जाएगा। यह ऋण कवर 50 हजार रूपए से ज्यादा नहीं होगा।

किसान प्रदर्शनी मेला में भाग लेने जिले से सौ किसान राजधानी रवाना

महासमुंद। इंदिरा गांधी कृषि महाविद्यालय रायपुर में आयोजित किसान प्रदर्शनी मेला में जिले से सौ किसान शामिल होंगे। आज शुक्रवार को संसदीय सचिव विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने कृषि विभाग के पास बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मिली जानकारी के अनुसार इंदिरा गांधी कृषि महाविद्यालय 11 मार्च से 14 मार्च तक किसान प्रदर्शनी मेला का आयोजन किया गया। जिसमें शामिल होने जिले से सौ किसान आज शुक्रवार को रवाना हुए। संसदीय सचिव चंद्राकर ने हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया। इस दौरान प्रमुख रूप विधायक प्रतिनिधि दाऊलाल चंद्राकर, अमित कुमार मोहंती उप संचालक कृषि महासमुंद, भीमराव घोडेसवार वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी महासमुंद, जितेन्द्र चंद्राकर ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्रीमती अलका सोनी, श्रीमती कल्पना साहू, श्रीमती उषा मरावी, बीएल अहिरवार ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, मनोज पटेल कृषि विकास अधिकारी, कुलेश्वर ध्रुव ऑपरेटर, राजेश साहू एटीएम अभिषेक शर्मा अकाउंटेंट आदि उपस्थित थे।

हरदीप सिंह पुरी ने स्वच्छता पखवाड़ा के पुरस्कार प्रदान किए

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आज विजेताओं को पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) स्वच्छता पखवाड़ा पुरस्कार प्रदान किए। पुरी ने आज मंत्रालय के वार्षिक प्रकाशन भारतीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस सांख्यिकी 2020-21 का भी विमोचन किया।

यह आंकड़ों का एक भंडार है जो कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के अन्वेषण, उत्पादन, शोधन, परिवहन एवं विपणन, आयात और निर्यात सहित भारत के तेल और गैस क्षेत्र की एक समग्र तस्वीर प्रस्तुत करता है।

पुरी ने विजेताओं और कार्यक्रम के प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि सभी केंद्रीय कार्यक्रमों में स्वच्छता महज एक योजना से बढ़कर है। इसके न केवल भौतिक लक्ष्य हैं, बल्कि यह स्वच्छता के बारे में उच्च चेतना पैदा करने के उद्देश्य से शुरू की गई एक प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि तेल और गैस क्षेत्र के हितधारकों ने अपने काम में इस दर्शन को समझ लिया है और उनका परिसर अब शीर्ष श्रेणी का हो गया है। पुरी ने राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में योगदान के लिए इस क्षेत्र की सराहना भी की। केंद्रीय मंत्री ने देश को इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए और अधिक प्रयास करने पर जोर दिया। पुरी ने विश्वसनीय डेटा तैयार करने और इसे सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया, ताकि इसका उपयोग अनुसंधान और विश्लेषण के लिए किया जा सके।

इस स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन तेल और गैस सीपीएसई और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के संबद्ध कार्यालयों द्वारा पिछले साल 1-15 जुलाई के दौरान किया गया था। स्वच्छ भारत अभियान और भारत को स्वच्छ, हरा-भरा और स्वस्थ बनाने के लिए पेट्रोलियम क्षेत्र की बिरादरी को उनकी सक्रिय भागीदारी और योगदान के लिए प्रोत्साहित करने के वास्ते पूरे जोश और उत्साह के साथ प्रेरक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

पखवाड़ा के स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और अधिक प्रभावी परिणाम सुनिश्चित करने के लिए पखवाड़े के दौरान बेहतर प्रदर्शन के लिए स्वच्छता पखवाड़ा पुरस्कार गठित किए गए हैं। कार्यक्रम में अपने प्रदर्शन के आधार पर आईओसीएल पहले, ओएनजीसी दूसरे और एचपीसीएल कंपनी तीसरे स्थान पर रही।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के नेतृत्व में इस पहल के दौरान 2 लाख से अधिक स्वच्छता किट, लगभग 3 लाख मास्क और लगभग 1.1 लाख पर्यावरण के अनुकूल (इको-फ्रेंडली) थैले वितरित किए गए। इस दौरान लगभग 1.3 लाख पेड़ लगाए गए और जगह-जगह 7 हजार से अधिक कूड़ेदान लगाए गए। पखवाड़ा के दौरान 40 प्लास्टिक कचरा संग्रहण केंद्र स्थापित किए गए और 4000 से अधिक ऑनलाइन आंतरिक और बाहरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 70 हजार लोगों की सक्रिय भागीदारी देखी गई।

मैनपाट में विकास को आगे बढ़ाने महोत्सव से मिल रही तेज गति- अमरजीत भगत

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। छतीसगढ़ शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण तथा संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत के मुख्य आतिथ्य में तीन दिवसीय मैनपाट महोत्सव का रंगारंग शुभारंभ 11 मार्च को हुआ। सर्वप्रथम अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित किया गया तथा राज्य गीत के साथ महोत्सव के शुभारंभ की घोषणा की गई। शुभारंभ के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों की भी आगाज हुई।

मैनपाट महोत्सव का हुआ रंगारंग शुभारंभ

समारोह को सबोधित करते हुए मंत्री श्री भगत ने कहा कि मैनपाट महोत्सव की भव्यता और आकर्षण दिनों दिन बढ़ती जा रही है है। यह महोत्सव केवल पर्यटन और मनोरंजन के लिए ही नहीं है बल्कि इससे मैनपाट के विकास को गति देने के लिये आयोजित होता है। मैनपाट महोत्सव विकास के नये मॉडल की अवधारण को परिलक्षित करती है।

यही कामना है कि यह आयोजन होते रहे और मैनपाट विकास के रास्ते पर आगे बढता रहे। पर्यटको की सुविधा के लिए आने वाले समय मे मैनपॉट में हवाई पट्टी बनेगा जिसे हवाई मार्ग से भी आना-जाना होगा।

श्री भगत ने कहा कि मैनपाट महोत्सव की शुरुआत छोटे रूप से हुआ था जो आज इसकी भव्यता और प्रसिद्धि में कई गुना वृद्धि हो गई है। मैनपाट में तिब्बती, यादव,आदिवासी सहित अन्य वर्ग को लोग आपसी भाईचारे के साथ रहते है।इसी प्रकार की भाई चारे की बदौलत ही यहां शांति और सुकून है।

मैनपाट अपने प्राकृतिक सुंदरता और जलवायु से जाना जाता है। इस सुंदरता को बनाये रखने के लिए पेड़ो को बचाना जरूरी है। हमारी सरकार विकास की गति को आगे बढ़ाने निरंतर प्रयास कर रही है।

लुण्ड्रा विधायक डॉ प्रीतम राम ने कहा कि क्षेत्रवासी महोत्सव का भरपूर आनंद उठाएंगे। आने वाले समय में मैनपाट की भव्यता और बढती जाएगी। कलेक्टर श्री संजीव कुमार झा ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि मैनपाट महोत्सव में इस बार प्रदेश और देश के नामचीन कलाकारों की प्रस्तुति होगी वहीं सरगुजिहा संस्कृति और विभागीय योजनाओं से संबंधित स्टाल भी लगाए गए हैं जो सैलानियो को आकर्षित करेंगे। इसके साथ ही पहाड़ी कोरवा सम्मेलन , एडवेचर स्पोर्टस, कुश्ती का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर छतीसगढ़ खाद्य आयोग के अध्यक्ष श्री गुरप्रीत सिंह बाबरा, छत्तीसगढ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष कुलदिप जुनेजा, जनपद अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला खेस्स, छत्तीसगढ गौ सेवा आयोग के सदस्य अटल यादव, कमिश्नर जी आर चुरेन्द्र, पुलिस महानिरीक्षक अजय यादव, पुलिस अधीक्षक अमित तुकाराम कांबले, मुख्य वन संरक्षक अनुराग श्रीवास्तव, जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार लंगेह सहित अन्य जन प्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में पर्यटक उपस्थित थे।

कोरोना टीकाकरण के लिए जिले के दो स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को राज्यपाल ने किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। महिला अध्ययन केंद्र पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर,राष्ट्रीय योजना आयोग,राज्य महिला आयोग एवं यूएन एड रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जिला बलौदाबाजार भाटापारा से एएनएम श्रीमती मीना दास एवं ग्राम खरतोरा निवासी मितानिन श्रीमती सेवती साहू को महामहिम राज्यपाल डॉ अनुसुइया उइके एवं राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ किरणमयी नायक द्वारा सम्मानित किया गया।

श्रीमती मीना दास एवं श्रीमती सेवती साहू का यह सम्मान उनके द्वारा अपने क्षेत्र में कोरोना के टीकाकरण में उत्कृष्ट योगदान प्रदान करने के लिए किया गया है। श्रीमती मीना दास द्वारा जिला अस्पताल बलौदा बाजार में टीकाकरण का कार्य किया जा रहा है। जिले में पिछले वर्ष 16 जनवरी 2021 से कोरोना का टीकाकरण शुरू हुआ था तब से लेकर अब तक लगभग 31 हजार कोविड टीकाकरण श्रीमती दास द्वारा किया जा चुका है। इसी प्रकार ग्राम खरतोरा के वार्ड नंबर 12 गांधी चौक पारा में निवासरत मितानिन श्रीमती सेवती साहू द्वारा अपने पारा के लोगों का शत- प्रतिशत कोरोना का टीकाकरण करवाया गया है। श्रीमती मीना दास ने बताया कि स्वास्थ विभाग में बलौदा बाजार में वह अपने नौकरी के शुरुआत से ही पदस्थापित हैं।

उनकी सेवा को लगभग 35 वर्ष हो चुके हैं तथा सेवानिवृत्ति में 2 वर्ष शेष हैं । कोविड टीका करण को लेकर श्रीमती मीना दास अपने समर्पण के लिए जानी जाती हैं। विगत एक वर्ष से बिना कोई अवकाश लिए वह अनवरत रूप से अपना कार्य कर रही हैं। ऐसे ही मितानिन श्रीमती साहू ने बताया कि बताया कि उनके पारा में शुरुआत में टीकाकरण को लेकर बहुत सारी गलत फ्हमियां लोगों में थी,जैसे बुखार आता है,जान जा सकती है आदि, जिसका निराकरण करने के लिए वह घर- घर गई तथा लोगों को प्रेरित किया एवं पारा बैठक भी की गई । लगातार प्रयास करने से अंततः सभी टीकाकरण करवाने को राजी हो गए। सेवती ने कहा लोगों की इस प्रकार से सेवा कर उन्हें आत्म संतोष मिलता है।जिले की महिलाओं का प्रदेश स्तर पर इस प्रकार से सम्मान किये जाने पर कलेक्टर श्री डोमन सिंह एवं जिला स्वास्थ्य विभाग ने हर्ष जताते हुए उक्त महिलाओं को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है।

महामानव मल्टीपर्पस सोसायटी का राज्यस्तरीय हुआ सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महामानव मल्टीपर्पस सोसायटी का राज्यस्तरीय हुआ सम्मान राज्य स्तरीय छत्तीसगढ़ महिला सदभावना एवं सेवाभावी संस्था रायपुर के द्वारा राज्यस्तरीय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश कि 22 संस्थाओं का चयन कर सम्मान किया गया ।

संस्था के मुख्य संरक्षक छविलाल सोनी, विशेष अतिथि उर्मिला देवी, सीमा कटका, नंद कुमार वर्मा, रितुधवन सिंह, सोनल जैन, आरती उपाध्याय सहित कार्यक्रम के संयोजक लक्ष्मी नारायण लाहोटी जी थे।

संस्था के विगत 14 वर्षों से मानव जीवन को सुरक्षित रखने व जनहित तथा जनकल्याण कि दिशा में निरन्तर किये जा रहे कामों को देखते हुए संस्था को हम नहीं काम बोलते हैं से संबोधित कर सम्मान किया । सम्मान कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष आशीष चौहान, व समस्त पदाधिकारी व संयोजक सुषमा रोकड़े, प्रवीण वासनिक, शैलेन्द्र भगत, राजेश रामटेके, प्रीतिमा गेडाम, संगीता खोब्रागढ़े, प्रतिमा गजभिये, वर्षा मेश्राम, मनीषा रामटेके शामिल थे उपरोक्त जानकारी संस्था सचिव सुनीता पटेल द्वारा दी गई ।

डोंगरगढ़ में चैत्र नवरात्रि की तैयारी के लिए कलेक्टर ने आवश्यक बैठक ली

चैत्र नवरात्रि पर्व में मां बम्लेश्वरी के दर्शन के लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने जिले के धर्मनगरी डोंगरगढ़ के मां बम्लेश्वरी मंदिर में 2 अप्रैल से प्रारंभ होने वाली चैत्र नवरात्रि पर्व की तैयारी, सुचारू संचालन तथा निर्विघ्न समापन के संबंध में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में मंदिर ट्रस्ट, समाजसेवी, सेवा पंडाल के पदाधिकारी, पुलिस प्रशासन तथा संबंधित विभागों की बैठक ली।

उन्होंने मां बम्लेश्वरी के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं मेले के सफ्लतापूर्वक आयोजन के लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर सिन्हा ने कहा कि मां बम्लेश्वरी की कृपा से कोविड-19 संक्रमण के बाद इस वर्ष नवरात्र पर्व उत्साह से मनाया जाएगा। मां बम्लेश्वरी मंदिर में दर्शन करने बड़ी संख्या में श्रद्धालु आने की संभावना है। इसे ध्यान में रखते हुए तैयारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए पेयजल तथा फायर ब्रिगेड वाहन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इसके लिए मॉकड्रील भी करें।

कलेक्टर सिन्हा ने कहा कि जिला व पुलिस प्रशासन, मंदिर समिति, समाजसेवियों एवं आयोजन से जुड़े सभी लोगों का यह प्रयास होनी चाहिए कि मेले के दौरान माता के दर्शन हेतु आने वाले सभी श्रद्धालुओं को आवश्यक सुविधा मुहैया करायी जाय। उन्होंने कहा कि डोंगरगढ़ आने वाले श्रद्धालुओं एवं पदयात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इसके लिए उन्होंने जरूरी उपाय एवं व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने चैत्र नवरात्रि पर्व में दुर्घटना रहित मेला आयोजन की लक्ष्य की जानकारी देते हुए पुलिस विभाग के अधिकारियों को इसके लिए पुख्ता उपाय करने के निर्देश दिए।

इसके लिए पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा की चाक-चौबंध व्यवस्था करने के अलावा मेला स्थल के लिए निर्धारित मार्गों में वाहनों की गति भी निर्धारित कराने कहा। उन्होंने मार्ग में पर्याप्त मात्रा में संकेतक व अस्थायी ब्रेकर लगाने एवं दुर्घटना जोनों को भी चिन्हित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने मंदिर परिसर डोंगरगढ़ में माता के दर्शन हेतु ऊपर एवं नीचे मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ को सुरक्षित ढंग से नियंत्रित करने का भी उचित उपाय करने के निर्देश दिए।

खास-खबर

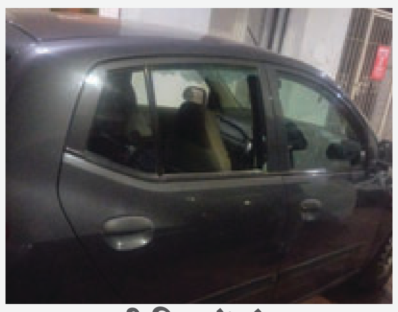

एक ही दिन में दो जगह उठाईगिरी की वारदात, कार का शीशा तोड़कर लाखों रुपये पार

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर में उठाईगिरी की दो वारदातें हुईं। जानकारी के मुताबिक दो थाना क्षेत्र में 24 घंटे के भीतर लाखों रुपये की दो बड़ी वारदातों को अपराधियों ने अंजाम दिया। शहर के दो कारोबारियों की कार का शीशा तोड़कर लाखों रुपयों भरा बैग लेकर फरार हो गए। बता दें कि ऐश्वर्या एम्पराय लाभांडी के पार्किंग में खड़ी कार का शीशा तोड़कर बैग में रखे एक लाख 85 हजार रुपये पार कर दिए। पहले मामले में पीड़ित भरत चंदवानी ने तेलीबांधा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। वहीं दूसरी घटना आईएमआई एब्रेसिव कंपनी उरला में घटी, जिसमें कंपनी के बाहर खड़ी कार से एक लाख 70 हजार रुपये की उठाईगिरी हुई। पीड़ित कारोबारी रामकुमार सिंगी ने उरला थाना में एफआईआर दर्ज कराई है।

भरत चंदवानी एक प्राइवेट कंपनी में कार्यरत करता है, शुक्रवार सुबह साढ़े 11 बजे तेलीबांधा स्थित आइसीआइसी बैंक से अपने निर्माणाधीन मकान के इंटीरियर के लिए दो लाख रुपये निकाले थे। इसके बाद वह अपने नए बन रहे मकान में गए, जहां नीचे पार्किंग में खड़ी आई-10 कार का किसी ने शीशा तोड़कर पैसे निकाल लिए और फरार हो गए

ट्रक के धक्के से बाइक सवार युवक की मौत

रायपुर। राजधानी में ट्रक के धक्के से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। रायपुर के तेलीबांधा क्षेत्र के मैग्नेटो माल के पास हादसा हुआ। टक्कर मारने के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मौके से भाग गया। हादसे में मोटरसाइकिल सवार गुलशन कुमार सामल पुत्र किशोर चंद्र सामल (26) निवासी भाटागांव रायपुर के पहचान हुई। तेलीबांधा थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार युवक बाइक में जा रहा था। ट्रक की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। हालांकि अभी ट्रक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे से ट्रक के नंबर की तलाश की जा रही है। तेलीबांधा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

जवान ने खुद को गोली मारी, पत्नी ने फांसी लगाई

फोन पर बात कर रहे थे दोनों, बंदूक की आवाज सुनकर बिलासपुर में पत्नी फंदे पर झूली

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर के रहने वाले एक सीआरपीएफजवान ने गढ़चिरौली में खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना के वक्त वह अपनी पत्नी से फोन पर बात कर रहा था। इसी दौरान उसने खुद को गोली मार ली। इधर, गोली की आवाज सुनकर पत्नी ने भी फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मामला पचपेड़ी थाना क्षेत्र का है।

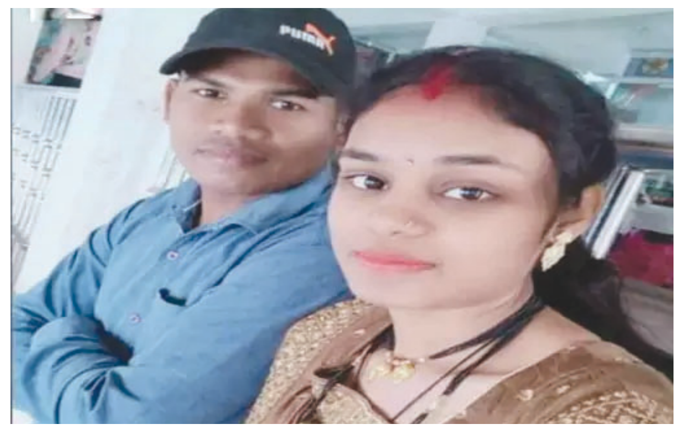

कुकुर्दीकेरा निवासी चंद्रभूषण जगत(25) सीआरपीएफ 113वीं बटालियन गढ़चिरौली में आरक्षक के रूप में पदस्थ था। तीन महीने पहले ही उसकी सरकंडा के लोधीपारा निवासी यामिनी जगत (22) से शादी हुई थी। शादी के बाद कुछ दिनों तक दोनों साथ में रहे। फिर चंद्रभूषण अपनी ड्यूटी पर गढ़चिरौली लौट गया था। पचपेड़ी थाना प्रभारी प्रवीण सिंह राजपूत का कहना है कि पति-पत्नी के बीच मौत का अंतराल 2 से 5 मिनट के बीच का है। उन्होंने बताया कि हमने गढ़चिरौली में सीआरपीएफ के अधिकारियों से बातचीत की है। अधिकारियों ने बताया कि जवान की मौत सुबह 8 बजकर 5 से 8 मिनट के बीच हुई है। जबकि उसकी पत्नी की मौत 8 बजकर 10 मिनट से लेकर 15 मिनट के बीच हुई है। ऐसे में आशंका है कि दोनों पति-पत्नी फोन से बात कर रहे थे और इसी दौरान दोनों ने आत्महत्या की है।

बताया जा रहा है कि गुरुवार की सुबह दोनों फोन पर बात कर रहे थे। कुछ देर तक दोनों में बातचीत हुई। इसके बाद चंद्रभूषण जगत ने खुद को गोली मार ली। गोली लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। पति का फोन कट गया। तब उसकी पत्नी यामिनी ने भी घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली।

घर पर अकेली थी पत्नी

जानकारी मिली है कि घटना के वक्त घर पर कोई नहीं था। जवान के माता-पिता खेत गए हुए थे। वहीं उसका भाई प्रवीण छोटी बहन को स्कूल छोड़ने के लिए गया था। जब प्रवीण वापस घर लौटा तो यामिनी फंदे से लटकी थी। उसने अपने माता-पिता को इस बात की जानकारी दी। उसने अपने भाई को फोन लगाया तो कोई ने जवाब नहीं दिया। कुछ देर बाद सीआरपीएफ के अधिकारियों ने प्रवीण को उसके भाई के सुसाइड करने की सूचना दी।

दोनों का किया गया अंतिम संस्कार

वहीं घटना की जानकारी शुक्रवार शाम को सामने आई है। मौत के बाद पीएम के लिए शव को लाया गया। सीआरपीएफ के जवान शनिवार सुबह जवान का शव लेकर उसके पैतृक गांव पहुंचे। जिसके बाद शनिवार को ही दोनों का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया।

सुसाइड के कारणों का पता नहीं चल सका

पुलिस का कहना है कि पति-पत्नी ने सुसाइड क्यों किया, इस बात का पता नहीं चल सका है। परिजनों से पूछताछ की जा रही है। कॉल डिटेल्स भी चेक किए जा रहे हैं। फिलहाल मामले में जांच जारी है।

हाई कोर्ट ने रायपुर व बिलासपुर स्मार्ट सिटी कंपनी से मांगा जवाब

बिलासपुर (ए)। हाई कोर्ट ने बिलासपुर और रायपुर स्मार्ट सिटी कंपनी से पूछा है कि किन प्रोजेक्ट में वर्क आर्डर जारी करने का स्टेज आ गया है। इसके आधार पर ही अनुमति देने पर विचार किया जाएगा। रायपुर व बिलासपुर में नगर निगम के निर्वाचित जनप्रतिधियों का अधिकार स्मार्ट सिटी कंपनियों को देने के खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका पेश की गई है। इस पर कोर्ट ने स्मार्ट सिटी के माध्यम से होने वाले कार्यों पर रोक लगाई थी। पिछले सुनवाई के दौरान दोनों कंपनियों ने कई प्रोजेक्ट व कार्य टेंडर स्टेज में होने का हवाला देने हुए इसकी अनुमति मांगी थी।

शुक्रवार को चीफ जस्टिस अरुप गोस्वामी और जस्टिस गौतम चौरड़िया की खंडपीठ ने बिलासपुर और रायपुर स्मार्ट सिटी कंपनी के अधिवक्ता से पूछा कि स्पष्ट रूप से यह बताएं कि कौन-कौन से प्रोजेक्ट या कार्य में वर्क आर्डर जारी किए जाने का स्टेज आ चुका है। जिन कार्यों का स्टेज आ गया है केवल उन्हीं पर अनुमति देने के लिए विचार किया जाएगा। कंपनियों की ओर से 14 मार्च को जानकारी प्रस्तुत करने पर कोर्ट निर्णय लेगा कि ये कार्य नगर निगम की मेयर इन काउंसिल और सामान्य सभा की अनुमति से होंगे या ऐसे ही करने दिए जाएंगे। शुक्रवार को याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सुदीप श्रीवास्तव, स्मार्ट कंपनियों की तरफ से सुमेश बजाज, राज्य सरकार की ओर से हरप्रीत अहलूवालिया, केंद्र सरकार की ओर से रमाकांत मिश्रा उपस्थित हुए। इससे पहले मेयर इन काउंसिल और सामान्य सभा की ओर से अधिवक्ता अशोक वर्मा, हर्षवर्धन अग्रवाल और सुदीप अग्रवाल ने पक्ष रखा।

गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व ले जा रहे चीतल और सांभर से भरा वाहन पलटा

रायपुर (ए)। कोरिया जिले में स्थित गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व को टाइगर रिजर्व की मान्यता मिलने के बाद वहां वन्य जीवो की शिफ्टिंग की जा रही थी। शुक्रवार को रायपुर के नंदनवन से दो वाहनों में करीब 48 हिरण को कोरिया में शिफ्ट करने के लिए ले जाए जा रहे थे। वहीं बसंतपुर से नवागांव होते हुए भाड़ी जाने के रास्ते में बसंतपुर के पास हिरणों से भरा वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। इससे पहले भी इस मोड़ लगातार हादसे हुए हैं। महीने में करीब आधा दर्जन छोटी बड़ी दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

हादसे की सूचना मिलते पर डीएफओ दिनेश पटेल सहित गौरेला पेंड्रा के वन परिक्षेत्र अधिकारी, पुलिस विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और तत्काल हिरणों से भरे वाहन को क्रेन से सीधा किया। टीम में साथ चल रहे हैं डॉ. राकेश वर्मा वन्य प्राणी विशेषज्ञ ने बताया कि सभी हिरण सुरक्षित हैं। वही जिस ग्रामीण के घर की बाड़ी में यह वाहन पलटा था, उसको वन विभाग ने तात्कालिक राहत और मुआवजा राशि भी प्रदान किया गया है।

गौरतलब है कि जंगल सफारी में वन्यजीवों को शिफ्ट करने के बाद नंदनवन में हिरन और चीतल वहीं रह गए थे। जंगल सफारी में भी काफी संख्या में वन्यजीवों के होने से हिरनों व चीतलों को शिफ्ट नहीं किया गया था। वन विभाग नंदनवन को पक्षी अभ्यारण्य बना दिया है, देश-विदेश की पक्षियों की और संख्या बढ़ाने के लिए हिरण को यहां से हटाना था। इसके लिए गुरुघासीदास अभ्यारण्य से सहमति मिल चुकी थी, लेकिन कोरोनाकाल के कारण यह शिफ्टिंग टल गया था।

नंदनवन में 100 चीतल और सांभर

नंदनवन में करीब सौ चीतल और सांभर हैं। नंदनवन की डायरेक्टर एम मर्शीवेला ने कहा कि इन जानवरों को गुरुघासीदास टाइगर पार्क में छोड़ने की अनुमति मिल गई है, दो से तीन शिफ्ट में इनको वहां भेज दिया जाएगा।

पलायन करने वाले और मृतकों के नाम पर राशन का गबन, कलेक्टर से शिकायत

बिलासपुर (ए)। मृतकों और पलायन कर दूसरे राज्य चले जाने वाले व्यक्ति के नाम से राशन दुकान में चावल वितरण किया जा रहा है। इसके अलावा राशन वितरण संचालक द्वारा खाद्य सामग्री का खुलेआम गबन किया जा रहा है। संचालकों के ऊपर रोक लगाने वाले कोई नहीं है। जिससे खुलेआम भ्रष्ट काम हो रहा है। स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत कलेक्टर डॉ. सारांश मित्तर से की है। वितरण संचालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की गई है।

नगर पंचायत मल्हार के रहने वाले अमन कुमार यादव (25) ने अपनी शिकायत में बताया कि गांव में वर्तमान में शासकीय उचित मूल्य की दुकान में जिस व्यक्ति की मौत पहले से हो चुकी है, उसका नाम राशन कार्ड से नहीं हटाया गया है। दुकान संचालक गलत तरीके से मृत व्यक्ति के नाम से चावल को निकालकर दूसरे लोगों से बेच रहे हैं। इसके अलावा जो व्यक्ति कमाने खाने के लिए गांव से दूसरे राज्य चले गए हैं। उनके नाम से भी फर्जी फोटो स्केन कर राशन सामग्री आहरण किया जा रहा है। उस राशन को अन्य व्यक्ति से मनमुताबिक पैसे लेकर बेचते हैं।

14 माह बाद जेल से निकला, छुटते ही आठ लाख के मोबाइल चुराए, तीन गिरफ्तार

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर में मौदहापारा थाना इलाके से एक दुकान से 67 लाख की चोरी के मामले से छूटे चोर ने फिर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। मुख्य आरोपित गोपाल बाघ ने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर कबीर नगर स्थित ओम सांई मोबाइल दुकान को अपना निशाना बनाया। आठ लाख के मोबाइल फोन चोरी की वारदात को अंजाम दिया। कबीर नगर थाना पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया। इसमें एक नाबालिग है।

एक मार्च को थाना कबीर नगर क्षेत्रांतर्गत आदर्श चौक स्थित सांई मोबाइल दुकान का ताला तोड़कर लगभग आठ लाख के मोबाइल फोन चोरी की घटना को अंजाम दिया। मुख्य आरोपित गोपाल ने अपने दो अन्य साथी वृंदावन तांडी व एक नाबालिग का अपने साथ शामिल कर चोरी की। अलग-अलग कंपनी के 44 नग मोबाइल फोन चुरा लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित फोन को ठिकाने लगाने की तलाश में थे। उससे पहले ही पुलिस ने पकड़ लिया।

मौदहापारा थाना क्षेत्र में लगभग दो साल पहले दुकान से 67 लाख रुपये की चोरी हुई थी। इसमें पुलिस ने मुख्य आरोपित गोपाल बाघ को गिरफ्तार किया था। चोरी का मास्टर माइंड गोपाल ही था। उसने सिविल लाइन इलाके में भी चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। 67 लाख की चोरी के मामले में पकड़े जाने के बाद वह 14 महीने जेल में रहा। जेल से बाहर आने के बाद दुकानों की रेकी करनी शुरू कर दी। मौका मिलने पर मोबाइल दुकान को अपना निशाना बनाया।

ओडिशा में मोबाइल खपाने की तैयारी

गोपाल ने अन्य साथियों के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद मोबाइल को तीनों ने बांटकर अपने-अपने पास रख लिए। मोबाइल को खपाने की तैयारी में थे। मिली जानकारी के अनुसार यह मोबाइल फोन ओडिशा में बेचने की फिराक में थे। इधर, पुलिस की टीम तलाश में लगी थी। हाल ही में चोरी के मामले से जेल से छूटे गोपाल के बारे में पुलिस को अहम जानकारी मिली। जिसके बाद गिरफ्तार किया।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, राजेन्द्र पार्क चौक, दुर्ग (छ.ग.)
दूरभाष क्र. 0788-2323633 E-mail:eedurg-phe-cg@nic.in

// संशोधन क्र. - 01 //

इस कार्यालय के निविदा सूचना क्र. 222/तशा/दुर्ग, दिनांक 24.01.2022, सिस्टम क्र. 91366 में निविदा लागत ''रू. 146.84 लाख'' के स्थान पर ''रू. 331.68 लाख'' पढ़ा जावे।

टीप:- निविदा की अन्य शर्तें पूर्ववत यथावत रहेगी।

कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड,
दुर्ग (छ.ग.)

जी-68625/6

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, राजेन्द्र पार्क चौक, दुर्ग (छ.ग.)
दूरभाष क्र. 0788-2323633 E-mail:eedurg-phe-cg@nic.in

// ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना (द्वितीय आमंत्रण) //

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग छ.ग. शासन में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत '' बी, सी, डी'' एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र ''ए'' में प्रतिशत दर पर दुर्ग जिले के विकासखंड दुर्ग/पाटन के निम्नलिखित ग्रामों में जल जीवन मिशन अंतर्गत रेट्रोफिटिंग नलजल प्रदाय योजना योजनांतर्गत विभिन्न कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्रमांक	नि.सू.क्र./दिनांक	सिस्टम क्र.	विकासखंड	ग्राम का नाम	अनुमानित लागत (रू.लाख में)
1	238/10.03.2022	94988	दुर्ग	महमरा	67.66
2	239/10.03.2022	94989	दुर्ग	पीपरछेड़ी, खुर्सीडीह, मालूद	194.10
3	240/10.03.2022	94990	पाटन	डगनिया, गुजरा, कसही	230.88
4	241/10.03.2022	94991	पाटन	बोहारडीह, मानिकचौरी, बोदल	221.27

नोट:- उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानाकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in दिनांक 21.03.2022 से देखे जा सकते हैं तथा बिड सबमिशन की अंतिम तिथि दिनांक 30.03.2022 है।

कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड,
दुर्ग (छ.ग.)

जी-68626/6

खास - खबर

स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 के थीम सांग आम जनता के लिए लॉन्च

दुर्ग। नगर पालिक निगम डाटा सेंटर के वीडियो कांफ्रेंस कक्ष में शुक्रवार को महापौर धीरज बाकलीवाल,आयुक्त हरेश मंडावी ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 के थीम सांग को आम जनता के लिए लांच किया। इस गीत को आयुक्त हरेश मंडावी ने लिखा है,गीत का सार, शिवनाथ के तीर तीर, दुर्ग बदलथे धीरे धीरे। हमार दुरुग शहर शिवनाथ नदी के किनारे बसा है।और दुरुग शहर की जनता स्वच्छता को अपनाते हुए धीरे धीरे बदल रहा है । इस थीम सांग में दुर्ग शहर के सभी मुख्य वार्ड तालाब,नाला चौक चौराहा जिससे दुर्ग शहर बना है उसको पहले की अपेक्षा बेहतरीन भावना से भरपूर सर्वेक्षण वरिष्ठ नागरिकों और युवा वयस्को को थीम बेहतर प्राथमिकता देगा।और शहर को स्वच्छता को बनाए रखने की दिशा में उसमें भागीदारी को सुदृढ़ करेगा। इस थीम के जरिए जनता को प्रात्साहित करने के लिए बड़े पैमाने पर नागरिक भागीदारी को प्रोत्साहित करते हुए 2022 में निगम द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण में दुर्ग को पायदान एक पर लाने की तैयारी शानदार तरीके से निगम कर ली है। स्वच्छता वीडियो थीम के लॉन्च के मौके पर सभापति राजेश यादव, एमआईसी सदस्य अब्दुल गनी,ऋषभ जैन,दीपक साहू,हमीद खोखर,भोला महोबिया,एल्डरमेन अजय गुप्ता समेत अधिकारीगण मौजूद थे।इस थीम में रेलवे स्टेशन से एक यात्री द्वारा दुर्ग शहर आता है हमर दुर्ग सुग्घर दुर्ग की बेहतर साफ सफाई व्यवस्था देखकर घर न जाकर शहर घूमने की इच्छा जताई, शंकर नाला के साथ साथ जब सूरज चमकिस,सफाई दीदी मन ह रिक्शा लेके निकलिस,गर्मी ठंडी हो या बरसात काम करे घंटा चौबीस,हर मोहा माटी मा झाडू लगाए।

जय बालाजी इण्डस्ट्रीज ने कर्मचारियों व श्रमिकों को बताया दुर्घटना से बचाव के उपाय

दुर्ग। जय बालाजी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, औद्योगिक विकास केन्द्र रसमड़ा द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह में संस्थान के कर्मचारियों और श्रमिकों को सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में महाप्रबंधक ने सुरक्षा दिवस की महत्ता बताते हुए शुन्य दुर्घटना के साथ-साथ शुन्य फर्स्टएड पर जोर दिया। सुरक्षा सप्ताह पर संस्थान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सुरक्षा संबंधित सुझाव,सुरक्षा नारा, सुरक्षा कविता एवं अन्य प्रतियोगिताओं में कर्मचारियों व श्रमिकों ने उत्साह के साथ अपनी सहभागिता दी। इसके अलावा साईट एवं क्लास रुम प्रशिक्षण के माध्यम से कर्मचारियों व श्रमिकों को दुर्घटनाओं के बचाव के उपाय बताए गए, साथ ही अग्निशमन यंत्र के उपयोग का भी प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर संस्थान एवं अन्य स्थानों में फलदार पौधों का रोपण किया गया। राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के समापन पर सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के मात्र दो कारण होते है। पहला असुरक्षित कार्यस्थल और दुसरा कार्य के संबंध में जानकारी का अभाव होना होता है।

धमधा के गौठानों के निरीक्षण पर पहुंचे कलेक्टर

दुर्ग। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने धमधा ब्लाक के गौठानों का व्यापक निरीक्षण किया। उन्होंने शहरी गौठान भी देखे और ग्रामीण गौठान भी देखे। गौठानों के दौरान उन्होंने दो बातों पर विशेष फोकस किया। गौठानों में गोबर खरीदी नियमित होती रहे और वर्मी का उठाव होता रहे। इसके साथ ही आजीविकामूलक गतिविधियों का विस्तार हो। उन्होंने कहा कि समूह वर्मी उत्पादन और बाड़ी में फल-सब्जियों के उत्पादन प्रमुखता से करें, इसके साथ ही आनुषांगिक गतिविधि का विस्तार करें। बरहापुर गौठान की महिलाओं ने बताया कि उन्होंने पहली बार सब्जी की फसल लगाई है। आलू और प्याज बाड़ी में बोये हैं। कलेक्टर ने कहा कि यह अच्छी बात है। सबसे पहली प्राथमिकता गौठान में ऐसे कार्यों पर दें जिसमें बाजार में बड़ी डिमांड हो। जैसे वर्मी का उत्पादन समूह करते हैं तो इसका बिकना तय है। फल और सब्जी का तो मार्केट होता ही है। विशेषज्ञों की सलाह पर कार्य करते रहें।

55 हजार लोगों ने धन्वंतरी मेडिकल से ली एक करोड़ की दवाइयां

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले में धन्वंतरी योजना के अंतर्गत 18 मेडिकल सेंटर विभिन्न स्थानों पर चलाए जा रहे हैं। जिसमें प्रत्येक मेडिकल स्टोर में जिले के निवासियों को 50 से 60 प्रतिशत तक की छूट पर जेनेरिक और ब्रांडेड दवाइयां प्रदान की जा रही है। वर्तमान में जिले के 55 हजार 222 हितग्राहियों ने लगभग 1 करोड़ की दवाइयां जिले में संचालित धनवंतरी मेडिकल स्टोर से ली हैं। यही दवाइयां यदि वो सामान्य मेडिकल स्टोर से लेते तो उक्त राशि पर 40 से 60 प्रतिशत देना पड़ता।

धन्वंतरी मेडिकल स्टोर के दुर्ग और भिलाई नगर निगम की दुकानों के साथ-साथ अन्य धन्वंतरी की दुकानों को भी बहुत ही अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है।

मेडिकल स्टोर में आए रवि कुमार ने बताया कि पहले दवा का पत्ता हाथ में आने पर हमेशा मन में शंका होती थी कि कितने पैसे खर्च करने पर दवाइ प्राप्त होगी। वह चिंता आज के समय में धन्वंतरी मेडिकल स्टोर ने कम कर दी है। उनके घर में उनके माता-पिता ब्लड प्रेशर और शुगर के पेसेंट हैं जिनके लिए प्रतिमाह लगभग 3 हजार रूपए खर्च करना पड़ रहा है परंतु शासन द्वारा संचालित धनवंतरी योजना से उनके परिवार को बहुत ज्यादा लाभ मिल रहा है। आज यही दवाईयां उन्हें 14 सौ से 18 सौ रूपए के बीच में प्राप्त हो रही हैं।

दुर्ग के नलघर के पास स्थित धन्वंतरी मेडिकल स्टोर के संचालक मनीष खत्री ने बताया कि मेडिकल स्टोर में 251 प्रकार की जेनरिक दवाइयां और 27 प्रकार के सर्जिकल उत्पाद नियमित रूप से उपलब्ध रहते हैं। मेडिकल स्टोर से उच्च रक्त चाप, मधुमेह, अस्थमा और मौसमी बीमारियों के दवाइयों की मांग में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। उन्होंने बताया कि इनमें रक्तचाप और मधुमेह की दवाइयां सबसे ज्यादा बिंकती है, प्रतिदिन इनकी बिक्री का आंकड़ा 7000-9000 रूपए के बीच का है। आज की भाग दौड़ की जिंदगी के चलते सभी की जीवन शैली में एक बड़ा बदलाव आया है। जिससे बीमारियों के साथ-साथ दवाइयों के खपत में भी बढ़ोत्तरी हो रही है। स्टोर में विभाग के संजीवनी उत्पाद भी उपलब्ध है।

कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने आम जन से अपील की है कि धनवंतरी मेडिकल स्टोर स्वास्थ्य समस्याओं को केंद्र में रखकर आम जन के हित में खोली गई है।

जिसमें किफायती दरों पर गुणवत्ता वाली दवाइयां उपलब्ध कराना शासन का मुख्य उद्देश्य है। इससे लोग अपनी मेहनत की कमाई को बचा पा रहे हैं। जेनरिक दवाओं को जनता के बीच लोकप्रिय बनाना तथा इस प्रचलित धारणा को दूर करना कि कम कीमत वाली दवाएं कम प्रभावी होती हैं। इसके लिए जिला प्रशासन लगातार प्रचार प्रसार कर रहा है और जिले के नागरिक भी इसे समझते हुए धन्वंतरी मेडिकल स्टोर से दवाइयां खरीद रहे हैं तथा अपनी जागरूकता का परिचय दे रहे हैं।

मोर मकान मोर चिन्हारी योजना के तहत प्रक्रिया पूर्ण करने वाले हितग्राही को मिलेगा पीएम आवास

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शासन की प्रधानमंत्री आवास योजना के घटक मोर मकान मोर चिन्हारी में नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के केनाल रोड जैसे अन्य विकास कार्यो से प्रभावित 13 सौ परिवार को मकान आवंटित कर व्यवस्थापन किये जाने से पूर्व राशि जमा करने तथा आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने समयावधि 30 दिवस का अंतिम अवसर प्रदान किया गया है।

निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे से जानकारी देते हुए बताया कि निगम द्वारा जनसुविधा के लिए केनाल रोड जैसे अन्य विकास कार्यो के दौरान प्रभावित परिवार को प्रधानमंत्री आवास योजना के मोर मकान मोर चिन्हारी घटक में निर्मित तथा निर्माणाधीन मकान में व्यवस्थापन किया जाना है। सर्वेक्षण पश्चात प्रभावित हितग्राहियो को सूचना पत्र जारी कर उनका नाम एम.आई.एस. पोर्टल में शामिल किया गया है ऐसे चयनित परिवार से शासन के नियमानुसार 75 हजार रूपये अंशदान राशि एवं पात्रता संबंधी दस्तावेज जमा किये जाने हेतु अंतिम अवसर प्रदान किया गया है

मोर मकान मोर चिन्हारी योजना के तहत बने मकानो में व्यवस्थापन हेतु चिन्हित परिवार को सूचना पत्र प्राप्ति के 30 दिवस के भीतर अंशदान की राशि एवं अपना आवश्यक दस्तावेज निगम कार्यालय सुपेला के आवास गुमटी शाखा कक्ष क्रमांक-16 में प्रभारी विद्याधर देवांगन के पास जमा कर योजना का लाभ उठा सकते है। समयावधि में राशि जमा नहीं किये जाने पर यह माना जायेगा कि परिवार को आवास की आवश्यकता नहीं है और अपात्र मानते हुये ऐसे हितग्राही हेतु चिन्हित आवास को निगम क्षेत्र में अन्य किरायेदारों के रूप में निवासरत परिवार को शासन के नियम शर्तो के तहत आंबटन की कार्यवाही किया जायेगा। इसके पश्चात दावा आपत्ति मान्य नहीं होगा।

ऐतिहासिक बजट, हर वर्ग को लाभ - देवेंद्र यादव

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार ने बुधवार को वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए अपनाचौथा बजट पेश किया। इसे भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने ऐतिहासिक बजट बताया है उनका कहना है कि यह बेहद सराहनीय और जन हितेषी बजट है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने समाज के हर वर्ग को लाभ पहुंचाने के लिए बहुत ही लाभकारी बजट पेश किया है।

आगे उन्होंने कहा राज्य के कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने की घोषणा की। कर्मचारी भी लंबे समय से इसकी मांग कर रहे थे। वहीं आमजन को राहत देते हुए किसी भी नए टैक्स को नहीं लाया गया है।

युवाओं को नहीं देना पड़ेगा फीस

विधायक देवेंद्र यादव ने राज्य सरकार के बजट की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश के शिक्षित युवा बेरोजगारों को सरकार बेहरत सुविधा व लाभ दे रही है। अब जो भी युवा बेरोजगार सरकारी वेकेंसी में भाग लेने के लिए आवेदन करेंगे। उन्हें फीस देने की जरूरत नहीं पड़ेगा। अब तक हर आवेदक को आवेदन के साथ 200 से 500 रुपए तक फीस देना पड़ता था लेकिन अब ऐसा नहीं होगा।

मानव तस्करी रोकने पहल

मानव तस्करी रोकने के लिए एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग ब्यूरो बनेगा।बस्तर संभाग में कार्य कर रहे पुलिसकर्मी सहायक आरक्षकों को पदोन्नति और वेतन भत्ते का लाभ दिलाने के लिए डिस्ट्रिक्ट स्ट्राइक फोर्स के नाम पर नए कैडर की घोषणा। दुर्ग के जेवरा -सिरसा पुलिस चौकी को थाना बनाया जाएगा।

विधायक निधि बढ़ेगा

विधायक निधि की राशि को बढ़ाकर 4 करोड़ रुपए कर दिया गया है। पहले यह 2 करोड़ रुपए थी। इसके अलावा पंचायत प्रतिनिधियों का मानदेय बढ़ाया गया है।

सब्जियों की सप्लाई होगी गौठान की बाड़ियों से, आंगनबाड़ियों में भी होगी गौठान की सप्लाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने समीक्षा बैठक में गौठान की बाड़ियों में निर्मित सब्जियों का इस्तेमाल स्कूलों के मिड डे मील में करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बाड़ियों में उगने वाली सब्जियां जैविक तरीके से तैयार होती है और पोषण के लिए सबसे ज्यादा कारगर है। इनका इस्तेमाल मिड डे मील में किया जाए तो बच्चों के पोषण के लिए उपयुक्त व्यवस्था तैयार होगी। इसके साथ ही आंगनबाड़ियों में पकने वाले खाने की सब्जियां भी गौठान की बाड़ियों से सप्लाई की जाएंगी। जो एजेंसियां थोक में मिड डे मील की सप्लाई करती हैं उन्हें भी गौठान से ही सब्जियां लेनी होंगी।

इस संबंध में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक में कहा कि गौठान से बने उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि हर स्तर पर इनका बड़ा मार्केट तैयार किया जाए। विशेषकर शासकीय विभागों की सप्लाई में गौठान से निर्मित वस्तुएं उपयोग की जाए। बैठक में एडीशनल कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना, एडीशनल कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई, भिलाई आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे उपस्थित थे। खनन प्रभावित गांव में स्कूल होंगे हाईटेक- कलेक्टर ने डीएमएफ की समीक्षा बैठक भी ली। उन्होंने सभी विभागों से डीएमएफ से संबंधित कार्य योजना तैयार कर भेजने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि विशेष फोकस खनन प्रभावित गांवों पर होना चाहिए। खनन प्रभावित गांव के स्कूल और आंगनबाड़ी हाईटेक हों। स्कूलों में यदि स्मार्ट क्लास की जरूरत है तो उसे उपलब्ध कराने का प्रस्ताव दें। साथ ही गार्डनिंग आदि जरूरतें यदि खनन प्रभावित गांव में है अथवा पेयजल से संबंधित किसी तरह की जरूरत है तो उसे भी पूरा किया जाए। मिशन के कार्य भी होने चाहिए ताकि रोजगार उन्मुख गतिविधियों को बढ़ावा बढ़ावा दिया जा सके।

9 करोड़ 35 लाख की लागत से गुरूद्वारा रोड का डामरीकरण कार्य शुरू

विधायक वोरा ने किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग।गुरुद्वारा रोड पर सड़क डामरीकरण (बीटी रिनीवल) कार्य आज से शुरू हो गया। करीब 9 करोड़ 35 लाख रुपए की लागत से 8 किलोमीटर लंबी रोड का डामरीकरण किया जाएगा। राजेंद्र पार्क से शहीद चौक होते हुए जेवरा चौक तक सड़क डामरीकरण किया जाएगा। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा ने आज सुबह विधानसभा जाने से पहले रोड डामरीकरण कार्य का निरीक्षण किया और पीडब्लूडी के एसडीओ को गुणवत्ता से डामरीकरण कार्य कराने के निर्देश दिये।

वोरा ने कहा कि शहर के बीचोंबीच व्यस्ततम रोड के डामरीकरण कार्य के दौरान यातायात व्यवस्था पर कोई असर न पड़े, इसके लिए जरूरी व्यवस्थाएं होनी चाहिए। आवश्यकतानुसार बेरिकेडिंग आदि की व्यवस्था करते हुए डामरीकरण कार्य किया जाए, ताकि किसी तरह की दुर्घटना न हो। अफसरों ने बताया कि शहीद चौक से राजेंद्र चौक के बीच डामरीकरण कार्य होली के पहले पूरा कराया जाएगा। होली के बाद शहीद चौक से जेवरा तक डामरीकरण कार्य किया जाएगा।

वोरा ने बताया कि शहर में पीडब्लूडी और नगर निगम की अन्य सभी सड़कों का डामरीकरण कार्य भी शीघ्र शुरू कराया जाएगा। वोरा ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद शहर का समग्र विकास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में दुर्ग शहर में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। 64 करोड़ की लागत से जीई रोड के उन्नयन और चौड़ीकरण कार्य के अलावा नगर निगम द्वारा 14 करोड़ की लागत से ठगड़ा बांध सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। मूलभूत विकास कार्य भी बड़े पैमाने पर किये जा रहे हैं। वोरा ने कहा कि शहर में विकास कार्यों के लिए फंड की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। शासन से भरपूर राशि उपलब्ध कराई जाएगी। निरीक्षण के दौरान एल्डरमेन राजेश शर्मा, पूर्व पार्षद प्रकाश गीते, अलख नवरंग, नंद किशोर शर्मा सहित पीडब्लूडी के अफसर मौजूद थे।

दूसरे दिन भी चला तोड़फोड़ अभियान

सर्विस रोड से कब्जा हटाने 60 से अधिक स्थान पर की गई बेदखली की कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। निगम क्षेत्र में बेतरतीब अवैध रूप से ठेला तथा बॉस बल्ली लगा कर किये गये कब्जो को हटाने के लिए आज दूसरे दिन भी सख्त कार्रवाई करते हुए 60 से अधिक स्थान पर बेदखली की कार्रवाई की गई। सड़क किनारे अवैध तरीके से लगाए साइन बोर्ड, नेम प्लेट, छोटे बड़े होर्डिंग्स को तोड़फोड़ कर हटाते हुए लंबे समय से सड़क पर रखे हुए कंडम वाहन को जप्त किया गया।

निगम के राजस्व विभाग और पुलिस विभाग के संयुक्त दल का अमला आज चंद्रा मौर्या चौक से पावर हाउस चौक तक कार्रवाई किए, सख्त कार्रवाई को देखते हुए अवैध कब्जा करने वाले किसी प्रकार के नुकसान से बचने स्वंय से ही बांस बल्ली व अस्थाई रूप से किए गए निर्माण को हटाने लगे तथा 5 से अधिक कब्जेधारियों से अर्थदंड भी वसूला गया।

निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे के निर्देश पर जीई रोड दोनो किनारे पर चलाए जा रहे बेदखली अभियान के दूसरे दिन चंद्रा मौर्या चौक से पॉवर हाउस चौक तक कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान सर्विस रोड पर लगाए अवैध ठेले खोमचे, अस्थाई शेड एवं बांस बल्ली तथा अनुपयोग खड़े वाहनों को हटाया गया।

इस बीच कुछ लोगो के द्वारा निगम की कार्रवाई पर व्यवधान उत्पन्न करने का प्रयास किया गया किंतु पुलिस के हस्तक्षेप करने के कारण उनकी एक न चली और कार्रवाई लगातार पावर हाउस चौक तक चलाया गया तथा 60 से अधिक स्थान से अवैध ठेले गुमटी तथा अस्थाई निर्माण को बेदखल किया गया। राजस्व विभाग के टीम ने दुकानो के सामने लगाए गए संकेतक बोर्ड तथा दुकान बढ़ाकर सड़क पर रखे विक्रय सामग्री को भी हटवाया एवं अर्थदण्ड वसूला गया। आयुक्त श्री सर्वे ने शहर में बढ़ रहे यातायात दबाव विशेषकर जीई रोड के दोनो किनारो में वाहनों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए नेहरू नगर चौक से डबरापारा नहर तक कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। जिस पर निगम के राजस्व अमला द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। कार्यवाही के दौरान जोन 03 आयुक्त येशा लहरे, एआरओ मलखान सिंह सोरी, परमेश्वर चंद्राकर, अनिल मेश्राम, सत्यनारायण कौशिक तोड़फोड़ दस्ता सहित ट्रैफिक पुलिस के जवान उपस्थित थे।

होली त्योहार को देखते हुए बदमाशों की धरपकड़ शुरू

दुर्ग। सिटी कोतवाली दुर्ग पुलिस ने पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बद्रीनारायण मीणा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजय ध्रुव, नगर पुलिस अधीक्षक दुर्ग जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में विषेष टीम गठित कर अगामी होली त्यौहार में शांति व्यवस्था रखने हेतु क्षेत्र के गुण्डा बदमाश, निगरानी बदमाश चाकू बाज पर निगाह रखने के निर्देष प्राप्त होने पर शुक्रवार को सिटी कोतवाली दुर्ग पुलिस क्षेत्र में लगातार टाउन भ्रमण आरोपी पता तलाश के दौरान अलग अलग जगहों पर सूचना मिलने पर आरोपी- रितिक साखरे पिता धनराज उम्र 21 साल पता हरना बांधा दुर्ग को शिवम मॉल के पास दुर्ग के पास से , केशव ठाकुर पिता हेरु ठाकुर उम्र 59 साल पता मठपारा को पंचमुखी मंदिर के पास, विश्वनाथ सारथी पिता स्वर्गीय झुमुक लाल सारथी उम्र 40 साल पता मठपारा दुर्ग को चंडी मंदिर के पास , सभी आरोपी को पृथक पृथक धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

मनीष बंछोर ने शहरी गोठान की व्यवस्था का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वकांक्षी गोधन न्याय योजना की प्रगति एवं नवीन व्यवस्था का जायजा लेने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के ओ.एस.डी. मनीष बंछोर शहरी गौठान कोसानगर पहुँचे और महापौर परिषद के सदस्य एवं लोक निर्माण विभाग के प्रभारी एकांश बंछोर समान्य प्रशासन विभाग के प्रभारी एवं वार्ड पार्षद संदीप निरंकार तथा आयुक्त प्रकाश सर्वे के साथ सम्पूर्ण गौठान में भ्रमण कर सभी उत्पादों का बारिकी से अवलोकन किया।

ओ.एस.डी. बंछोर ने गोबर से बनने वाले वर्मी खाद की प्रक्रिया, पीट की संख्या, गोबर खरीदी की मात्र की जानकारी ली तथा सुझाव दिया कि खाद उत्पाद के लिए तैयार गोबर की छनाई में सुधार कर खाद की गुणवत्ता बढ़ावें। उन्होने महिला स्व सहायता समूह द्वारा गोठान में तैयार किये जा रहे आगरबत्ती, फूलो से गुलाल बनाने तथा मशरूम उत्पादन को देखा और ब्रान्ड बनाकर बाजार में बेचने की सलाह दी। आयुक्त प्रकाश सर्वे ने गोठान में ही मछली पालन हेतु तैयार कराये जा रहे तालाब का अवलोकन करवाते हुए जानकारी दी कि पार का उपयोग मौसमी फलो का पौधे लगाकर उपार्जन किया जावेगा। श्री बंछोर ने गोबर से बनाने वाले अन्य उत्पाद की जानकारी ली तथा आय-व्यय पंजी का भी अवलोकन किया। उन्होने मुख्यमंत्री श्री बघेल के मंशा के अनुरूप गोठान को संचालित करने तथा गोठान के हर क्षेत्र का अच्छे से उपयोग कर मुर्गी पालन बकरी पालन जैसे कार्य भी शीघ्र प्रारंभ करने का सुझाव दिये। बता दे कि महपौर नीरज पाल के मार्गदशन में गोठान में कार्यरत महिला स्व सहायता समूह को घरेलू उत्पाद को बढ़ावा देने लगातार विभिन्न कार्य किए जा रहे है, त्योहारी सीजन दिये, गमले, मूर्ति जैसे उत्पाद बनाकर विक्रय किया गया। गोठान की महिला समूह को आत्मनिर्भर बनाने वर्मी खाद, अगरबत्ती, मशरूम और सब्जी की खेती जैसे कार्य किये जा रहे है।

भ्रमण के दौरान जोन आयुक्त मनीष गायकवाड़, कार्यपालन अभियंता संजय शर्मा, सहायक अभियंता आलोक पसीने, उप अभियंता गौरव अग्रवाल, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के फणिन्द्र बोस, शीबा, नलीनी तनेजा, अभिनव ठोकने, यादराम चंद्राकर, मोहन वर्मा सहित महिला स्व सहायता समूह के सदस्य उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950